राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 06 मई 2025

वर्ष 14,अंक 27, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

खुजौली की कीमती सरकारी जमीन पर हुआ अवैध कब्जा.....03

खेलों प्रतियोगिताओं में यूआईडी अनिवार्य, नहीं ले सकेंगे भाग.....04

कांग्रेस का हिंदू विरोधी चेहरा उजागर, भगवान राम को पौराणिक पात्र बताने पर राहुल गांधी पर भड़की BJP

स्वतंत्र प्रभात

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भगवान राम को "पौराणिक पात्र" कहे जाने को लेकर राहुल गांधी की रविवार को आलोचना की और कहा कि कांग्रेस नेता ने अपनी पार्टी का "हिंदू विरोधी चेहरा" उजागर कर दिया है। पिछले महीने अमेरिका के एक विश्वविद्यालय में परिचर्चा के दौरान राहुल ने हिंदू की परिभाषा को लेकर भाजपा के विचार को खारिज किया था और कहा था कि सभी महान भारतीय समाज सुधारकों और राजनीतिक विचारकों- ज्योतिराव फुले, बीआर आंबेडकर, महात्मा गांधी और यहां तक ??कि गुरु नानक, बसव और बुद्ध ने भी यही कहा था, "सभी को अपने साथ लेकर चलो, सत्य और अहिंसा को अपनाओ।" कांग्रेस नेता ने कहा था, ''मेरे लिए यह भारतीय परंपरा और इतिहास का आधार है। मैं भारत में एक भी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता, जिसे हम महान मानते हों, लेकिन वह इस प्रकार का न हो। मैं किसी के बारे में ऐसा नहीं सोच सकता। सभी पौराणिक पात्र हैं। भगवान राम उस समय के थे, जिसमें वह क्षमाशील थे, दयालु थे।" राहुल ने यह टिप्पणी उस समय की, जब उनसे पूछा गया कि हिंदू राष्ट्रवाद के युग में धर्मनिरपेक्ष राजनीति किस प्रकार तैयार की जानी चाहिए। राहुल की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पूर्व कांग्रेस प्रमुख को "हिंदू विरोधी" बताया और उनसे अपनी पार्टी का नाम बदलकर "हिंदू विरोधी कांग्रेस" रखने को कहा। उन्होंने मीडिया से कहा, "राहुल गांधी वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने कहा था कि कांग्रेस मुसलमानों की पार्टी है। वह पार्टी जिसने हिंदू आतंकवाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जो भगवान राम के अस्तित्व को नहीं मानती और जिसने अयोध्या में राम मंदिर न बनने देने के लिए हरसंभव प्रयास किया, उसका हिंदू विरोधी चेहरा आज देश के 100 करोड़ से अधिक हिंदुओं के सामने उजागर हो गया है।"

भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल की टिप्पणी से पता चलता है कि वह हिंदू भावनाओं का सम्मान नहीं करते। उन्होंने कहा, "कोई व्यक्ति हिंदुओं, सनातन धर्म और भगवान राम को जितना अधिक अपशब्द कहेगा, कांग्रेस में ऐसे व्यक्ति को पदोन्नति मिलने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। ऐसा इसलिए है, क्योंकि राहुल गांधी और सोनिया गांधी मूलतः भगवान राम विरोधी और हिंदू विरोधी हैं।" भंडारी ने कहा कि देश की जनता ने सनातन विरोधी लोगों, विपक्षी दलों के "इंडिया गठबंधन" और राहुल गांधी को नकार दिया है तथा आगे भी ऐसा ही होता रहेगा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने राहुल की टिप्पणी को "दुर्भाग्यपूर्ण" करार दिया और पूछा कि कांग्रेस नेता भगवान राम को "इतालवी" नजरिये से कैसे समझ पाएंगे। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''राहुल गांधी लगातार भारत की संस्कृति, इतिहास और इसकी महान हस्तियों का अपमान करते रहे हैं। देश के लोग भगवान राम के विरोधियों को सबक सिखाएंगे।"

भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि राहुल और कांग्रेस को "दुनियाभर के अरबों हिंदुओं की आस्था का उपहास उड़ाना" बंद करना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "भगवान राम कोई पौराणिक पात्र नहीं हैं। वह भारत के मूल्यों, संस्कृति और आध्यात्मिक सार का प्रतीक हैं। वह 'मर्यादा', त्याग और धार्मिक नेतृत्व का प्रतीक हैं, जिसने हजारों वर्षों से हमारी सभ्यता को आकार दिया है। वह भारत की आत्मा हैं।"मालवीय ने कहा, "राहुल गांधी और कांग्रेस को दुनियाभर के अरबों हिंदुओं की आस्था का उपहास उड़ाना बंद करना चाहिए। उनके जैसे लोग और राजनीतिक दल आते-जाते रहेंगे, लेकिन भगवान राम हमेशा धर्म के शाश्वत प्रतीक और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।" राहुल पर भगवान राम और हिंदुओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस न केवल राष्ट्र विरोधी, बल्कि हिंदू विरोधी पार्टी भी बन गई है। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी का भगवान राम को पौराणिक पात्र कहना वही भाषा है, जिसका इस्तेमाल संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार ने रामसेतु मामले में (उच्चतम न्यायालय में) हलफनामा दाखिल करते समय किया था।" पूनावाला ने कहा कि लोग कांग्रेस को उसकी "राम-विरोधी और हिंदू-विरोधी"मानसिकता के लिए कभी माफ नहीं करेंगे। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से इस तरह का रवैया अपना रही है। तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "एक बार उन्होंने (कांग्रेस) रामेश्वरम सेतु के अस्तित्व से इनकार कर दिया था। उन्हें भगवान राम, भगवान शिव की परवाह नहीं है। हम इस रवैये की निंदा करते हैं।"

दर्दनाक आग हादसा- एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत, 8 घंटे की मशक्कत के बाद राख में दबी जिंदगियों के मिले सुराग

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

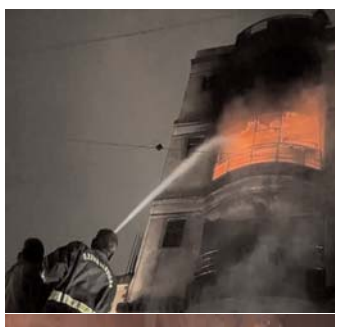

Kanpur News: उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के चमन गंज इलाके में स्थित गांधी नगर की एक 5 मंजिला इमारत में रविवार रात शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्य फंसे हुए थे, जिनमें पति-पत्नी और उनके 3 बच्चे शामिल थे। आग के दौरान परिवार के सभी सदस्य इमारत में फंसे रहे और राहत कार्य में 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उनके शवों को बाहर निकाला गया। मिली जानकारी के मुताबिक, दमकल विभाग की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग को बुझाने में काफी समय लगा। इमारत की निचली मंजिल पर एक जूते का कारखाना था और ऊपर की मंजिलों पर लोग रहते थे। आग ने देखते ही देखते पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जो तेजी से फैल गई।

रेस्क्यू ऑपरेशन और मौत की पुष्टि

बताया जा रहा है कि 8 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में दमकल और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने पूरा प्रयास किया, लेकिन परिवार के सभी 5 सदस्य दम तोड़ चुके थे। घटना में 2 लोग घायल भी हुए थे जिन्हें अस्पताल भेजा गया, लेकिन उनकी स्थिति के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

CM योगी का संज्ञान और राहत कार्यों का आदेश

इस हादसे का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला प्रशासन और फायर ब्रिगेड को त्वरित राहत कार्यों के लिए निर्देश दिए। एसडीआरएफ की एक टीम को भी लखनऊ से घटनास्थल पर भेजा गया, ताकि बचाव कार्यों में मदद मिल सके। वहीं इस घटना ने ना केवल कानपुर बल्कि पूरे राज्य को झकझोर कर रख गई है। फायर ब्रिगेड और पुलिस ने राहत कार्यों में पूरी तरह से जुटकर इमारत में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन शॉर्ट सर्किट जैसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा उपायों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई है।

कनाडा में PM कार्नी की नाक तले भारत विरोधी शर्मनाक परेड, खालिस्तान समर्थकों ने हिंदुओं खिलाफ उगला जहर

स्वतंत्र प्रभात

कनाडा में एक बार फिर खालिस्तानी समर्थकों की भारत विरोधी करतूत सामने आई है। टोरंटो स्थित माल्टन गुरुद्वारे में रविवार को खालिस्तानी समर्थकों द्वारा एक विवादास्पद परेड का आयोजन किया गया, जिसमें भारत विरोधी और हिंदू विरोधी भावनाओं को प्रदर्शित किया गया। इस परेड में एक बड़े ट्रक पर एक पिंजरा रखा गया था, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पुतले बंद थे। परेड के दौरान खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा में रह रहे 8 लाख हिंदुओं को भारत वापस भेजने की मांग की। यह घटना ऐसे समय पर हुई है जब कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने हाल ही में चुनावों में जीत हासिल की है और भारत-कनाडा संबंधों को सुधारने की बात कही है। हालांकि, इस परेड ने उनके नेतृत्व में खालिस्तानी चरमपंथ से निपटने की प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने इस परेड का वीडियो साझा करते हुए कहा, "जिहादी हमारे सड़कों पर उन्माद मचा रहे हैं, लेकिन खालिस्तानी उन्हें नफरत फैलाने में कड़ी टक्कर दे रहे हैं।"

संक्षिप्त ख़बरें

सिद्धार्थनगर के पिपरहवा स्तूप से प्राप्त पुरावशेषों के अंतर्राष्ट्रीय बाजार में नीलामी रोकने हेतु, विश्वविद्यालय के छात्रों ने स्तूप के पास विरोध प्रदर्शन किया

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा स्थित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के छात्रों में, सात मई को पिपरहवा अवशेषों की हांगकांग में होने जा रही नीलामी के प्रति आक्रोश देखने को मिला। विश्वविद्यालय के छात्रों ने रविवार को पिपरहवा स्तूप के पास स्वतः स्फूर्त फ्लैग मार्च निकाला तथा इस नीलामी के प्रति अपना शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। साथ ही साथ जनमानस को इस घटना से अवगत भी कराया।

एमजीएम अस्पताल हादसा- आदिवासी मंच ने सरकार को घेरा, स्वास्थ्य मंत्री से इस्तीफे की मांग

रांची, झारखंड- एमजीएम अस्पताल में हुई छत गिरने की घटना में तीन आदिवासी मरीजों की मौत और दो घायल होने पर आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने इसे सरकार के लिए कलंक बताया है और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से इस्तीफे की मांग की है। श्री नायक ने मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख और घायलों को 5-5 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने घटना की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष कमेटी से कराने की मांग करते हुए कहा कि दोषियों को सख्त सजा मिले। नायक ने अस्पताल में माफिया तत्वों की मौजूदगी और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने मुख्यमंत्री से ठोस कार्रवाई की अपील की और कहा कि स्वास्थ्य मंत्री जिम्मेदारी से नहीं बच सकते।

अनदेखी- मनरेगा में मजदूरों की जगह जेसीबी और ट्रैक्टर से करा रहे काम

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। एक तरफ केंद्र और प्रदेश सरकार गरीबों और मजदूरों के हित के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की हैं, एक महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा है. इसमें अधिकारियों की साठगांठ से मजदूर की जगह मशीन से काम किया जा रहा है. मामला बर्डपुर ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत बर्डपुर नम्बर 10 का है, जहां मनरेगा योजनाओं में भारी अनियमितता बरती जा रही है और धड़ल्ले से ट्रैक्टर ,जेसीबी का इस्तेमाल किया जा रहा है. शिकायत के बावजूद अधिकारी कोई सुनवाई करते नजर नहीं आते हैं. लिहाजा कार्य जिम्मेदारों द्धारा मनमाने ढंग से मजदूरों के बजाय जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर से कार्य करवाते हैं. यहां तक कि बर्डपुर ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत बर्डपुर नम्बर 10 में मनरेगा योजना द्धारा संचालित परियोजनों पर बिना कार्य कराए ही अधिकारियों के साठगांठ से भुगतान किया जा रहा है। इस समय ग्राम पंचायत बर्डपुर नम्बर 10 के पांच परियोजनों पर कार्य कागजों में चल रहा है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। बर्डपुर 10 में श्मशानघाट के सामने से बशीर के खेत तक नाला खुदाई कार्य, बर्डपुर नंबर 10 में प्रदीप के खेत से राधेश्याम के खेत तक नाला खुदाई कार्य, लालपुर गांव के पश्चिम पोखरे की खुदाई कार्य , बर्डपुर नंबर 10 में बशीर के खेत से पुलिया तक नाला खुदाई कार्य चल रहा है।

जिसमें लगभग चार सौ श्रमिक को मस्टर रोल चल रहा है यदि जांच हो जाए तो मौके पर एक भी मजदूर कार्य करते नहीं मिलेगे जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर से कार्य कराया जा रहा यहां तक कि शनिवार की रात जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर से कार्य जाना ,इसकी जानकारी ग्रामीणों ने सम्बंधित कार्यो फोटो व वीडियो भेज कर जानकारी दी है। इसमें ग्राम प्रधान द्वारा मजदूरों की जगह धड़ल्ले से जेसीबी व ट्रैक्टर से कार्य कराया जा रहा है. गांव में मनरेगा योजना में बरती जा रही है अनियमितता का ग्रामीणों ने सम्बंधित अधिकारी को वीडियो भेज कर जानकारी दी, बावजूद इसके जेसीबी से नाला की खुदाई कर ट्रैक्टर से मिट्टी लाकर सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है. ग्रामीणों ने बताया की विरोध के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी लगातार अपनी मनमानी कर रहे है। अधिकारी भी इस मामले में चुप हैं, जिसके कारण इस कार्य को अंजाम देने वालों का मनोबल ऊंचा है। यह योजना सरकार द्वारा मूल रूप से गरीब मजदूरों को रोजगार मुहैया कराने के साथ गांव के विकास के लिए शुरू किया गया है. योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब मजदूरों का दूसरे राज्यों में हो रहे पलायन को रोकना भी है. लेकिन जिम्मेदार अधिकारी की मनमानी एवं उच्चाधिकारियों की लापरवाही के कारण मनरेगा योजना बर्डपुर ब्लाक में भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ गया है।

क्या कहते हैं अधिकारी

जिला खनन अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा का कहना है कि ग्रामीणों की ओर से शिकायत मिली है कि जेसीबी मशीन से सरकारी नाले की खुदाई कर मिट्टी को डंफर ओर ट्रैक्टर का इस्तेमाल बेची जा रही है जो नियम विरुद्ध है. इसकी जांच कर कड़ी करवाई की जाएगी।

तेलंगाना के मजिस्ट्रेट ने बुजुर्ग दंपति को सड़क पर न्याय दिलाया, जो अदालत में प्रवेश नहीं कर सके

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

तेलंगाना में निजामाबाद जिले के बोधन कस्बे में एक मजिस्ट्रेट सोमवार को दयालुता का परिचय देते हुए एक बुजुर्ग दंपति से जुड़े मामले में अपना फैसला सुनाने के लिए सड़क पर आए, जो अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अदालत परिसर में प्रवेश करने में असमर्थ थे। हालांकि यह भारत में न्यायिक ढांचे की खराब स्थिति की याद दिलाता है, लेकिन अतिरिक्त जूनियर सिविल जज एस्सम्पेल्ली साई शिवा को उनके असाधारण कार्य के लिए सोशल मीडिया पर प्रशंसा मिली है। दंपति रिक्शे में बैठकर कोर्ट पहुंचे थे। बार एंड बेंच द्वारा समीक्षा किए गए अदालती रिकॉर्ड से पता चला है कि दंपति कांतापु सयाम्मा और कांतापु नादपी गंगाराम पर 2021 में तेलंगाना पुलिस द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए के तहत वैवाहिक क्रूरता का मामला दर्ज किया गया था।दिसंबर 2021 में उनके खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया गया, जिसके बाद बोधन कोर्ट परिसर में मुकदमा चला। करीब 30 सुनवाई के बाद आखिरकार 22 अप्रैल को मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया गया।

एक महीने पहले कोर्ट को बताया गया कि दंपत्ति दुर्घटना का शिकार हो गए हैं और चलने में असमर्थ हैं। दंपत्ति की स्थिति को देखते हुए जज 30 अप्रैल को न्याय देने के लिए व्यक्तिगत रूप से उनके सामने पेश हुए। बुजुर्ग दंपत्ति के खिलाफ उनकी बहू द्वारा दर्ज कराया गया मामला झूठा पाया गया। अदालत ने आदेश दिया, "आरोपी नंबर 1 और 2 को आईपीसी की धारा 498 ए के तहत दंडनीय अपराध के लिए दोषी नहीं पाया गया," जबकि उन्हें क्रूरता के आरोप से बरी कर दिया।

मोहनलालगंज में बैखौफ जालसाजों का खेल रिटायर्ड आईटीआई अधिकारी की करोड़ों की जमीन हड़पी

जावित्री हॉस्पिटल के मालिक पर फर्जीवाड़े का गंभीर आरोप, पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार.....

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र में सक्रिय जालसाजों का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है। कि अब वे रिटायर्ड सरकारी अधिकारियों की जमीन भी निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला आईटीआई के एक सेवानिवृत्त अधिकारी से जुड़ा है, जिनकी करोड़ों रुपये मूल्य की करीब डेढ़ बीघा जमीन को फर्जीवाड़े के जरिए हड़प लिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जालसाजों ने फर्जी किसान खड़ा कर उक्त जमीन की रजिस्ट्री करवा दी। इतना ही नहीं, इसी गिरोह ने पहले भी चार बीघे जमीन को इसी तरीके से हड़पने का कारनामा अंजाम दिया था। दोनों ही मामलों में मास्टरमाइंड एक ही बताया जा रहा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों ही रजिस्ट्री जावित्री हॉस्पिटल के मालिक डॉ. ईषा त्यागी के नाम पर की गई हैं। पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी का आरोप है कि यह पूरी साजिश डॉ. ईषा त्यागी ने जालसाजों के साथ मिलकर रची। पीड़ित का कहना है कि उनकी दूसरी डेढ़ बीघा जमीन भी महज दस लाख रुपये में रजिस्टर्ड करवा ली गई, जबकि उसकी बाजार कीमत करोड़ों में है। रजिस्ट्री प्रक्रिया में जालसाजों ने पीड़ित के फर्जी बैंक खाते, आधार कार्ड और पैन कार्ड का इस्तेमाल कर लिया। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि रजिस्ट्री में जो पैसा दर्शाया गया, वह वास्तव में किस खाते में गया।पीड़ित का यह भी दावा है कि डॉ. ईषा त्यागी ने मोहनलालगंज क्षेत्र में बड़ी मात्रा में जमीनें खरीदी हैं, जिनमें कई पर संदेहास्पद तरीके से कब्जा किया गया है। अब पीड़ित अधिकारी ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए।फिलहाल इस मामले ने स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों के बीच चिंता की लहर पैदा कर दी है।

'सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए फैसले लेने की टाइमलाइन तय करके गलत नहीं किया

पूर्व जस्टिस केएम जोसेफ

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयकों पर निर्णय लेने की समयसीमा तय करके सुप्रीम कोर्ट ने कुछ भी गलत नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला लोकतंत्र और संघवाद को बढ़ावा देगा। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस केएम जोसेफ ने यह बयान दिया है। पूर्व जस्टिस जोसेफ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में केंद्रीय और राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए 3 महीने की समयसीमा निर्धारित की थी। यह आदेश देकर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ गलत नहीं किया है। यह फैसला बिल्कुल उचित है, क्योंकि यह लोकतंत्र और संघवाद को बढ़ावा देगा।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व जस्टिस जोसेफ शनिवार को कोच्चि में अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ की राज्य समिति द्वारा आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। इस सेमिनार की थीम 'राज्यपालों की शक्तियों के मामले में न्यायपालिका की भूमिका' थी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जब कोई विधेयक राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा जाता है तो राज्यपाल की भूमिका बहुत सीमित होती है। राज्यपाल राज्य और केंद्र के बीच अहम कड़ी हो सकते हैं। लेकिन राज्यपाल केंद्र के कर्मचारी, एजेंट या प्रतिनिधि के रूप में कार्य नहीं कर सकते।

रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व जस्टिस जोसेफ ने कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधेयकों को मंजूरी देने में देरी की। इस देरी के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई करते हुए 8 अप्रैल को जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच द्वारा फैसला सुनाया गया कि राज्यपाल और राष्ट्रपति 3 महीने के अंदर बिलों पर फैसला लें, लेकिन इस फैसले की कार्यकारी पदाधिकारियों ने तीखी आलोचना की, जबकि यह फैसला बिल्कुल सही है। बता दें कि उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना की थी और कहा था कि न्यायपालिका 'सुपर-संसद' बनने की कोशिश कर रही है और अनुच्छेद 142 को संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ इस्तेमाल किया जाने वाला परमाणु मिसाइल समझ रही है।

परिसीमन लोकतंत्र की आत्मा और समान प्रतिनिधित्व की प्रक्रिया

भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश है, जहाँ विभिन्न संस्कृतियाँ, भाषाएँ, धर्म और जातियाँ एक साथ समाहित हैं। इस विविधता के बावजूद, देश का लोकतांत्रिक ढांचा उसे एकजुट रखता है। भारतीय लोकतंत्र का मुख्य सिद्धांत यह है कि हर नागरिक को समान प्रतिनिधित्व मिले और उसकी आवाज़ संसद और विधानसभाओं में गूंजे। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हर नागरिक को समान अवसर मिले और उसकी राय और मत का समान महत्व हो। यह सुनिश्चित करने के लिए, चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया को समझना आवश्यक है। परिसीमन का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण करना है, ताकि जनसंख्या के अनुसार प्रत्येक नागरिक को समान प्रतिनिधित्व मिले। यह प्रक्रिया न केवल चुनावों को न्यायपूर्ण बनाती है, बल्कि यह लोकतंत्र की मजबूत नींव भी रखती है। भारत में परिसीमन की आवश्यकता समय-समय पर महसूस की गई है, विशेष रूप से देश की विशाल जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण और प्रवास की वजह से। 1951 में भारत की जनसंख्या 36.1 करोड़ थी, जो 2021 में बढ़कर लगभग 138 करोड़ तक पहुँच चुकी है। इस वृद्धि के साथ-साथ देश में असमान विकास और जनसंख्या वितरण का सवाल भी सामने आया है। कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या में बहुत अधिक वृद्धि हुई है, जैसे शहरी और उपनगर क्षेत्र, जबकि अन्य क्षेत्रों में जनसंख्या स्थिर रही है। इस असंतुलन का सबसे बड़ा प्रभाव चुनावी तंत्र पर पड़ता है। अगर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को समय-समय पर अद्यतन नहीं किया जाता, तो कुछ क्षेत्रों में अधिक मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करना पड़ता, जबकि अन्य क्षेत्रों में कम जनसंख्या वाले प्रतिनिधि होते। इससे चुनावी प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती और लोकतांत्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन होता। परिसीमन का कार्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं जनसंख्या के वास्तविक वितरण के आधार पर तय की जाएं। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी निर्वाचन क्षेत्र अत्यधिक जनसंख्या वाला न हो और न ही कोई क्षेत्र उपेक्षित हो। परिसीमन की प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि हर नागरिक का वोट समान रूप से महत्वपूर्ण हो, चाहे वह किसी भी क्षेत्र, जाति या धर्म से हो। जब निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएं जनसंख्या के अनुसार होती हैं, तो यह देश की चुनावी प्रणाली को मजबूत और निष्पक्ष बनाता है भारत में परिसीमन आयोग की स्थापना संविधान के तहत की गई है, और यह एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था के रूप में कार्य करता है। परिसीमन आयोग का काम निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण करना है, ताकि जनसंख्या के बदलाव के अनुसार प्रतिनिधित्व में संतुलन बना रहे। आयोग को यह अधिकार प्राप्त है कि वह जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करे और यह सुनिश्चित करे कि कोई भी क्षेत्र उपेक्षित या अतिरिक्त प्रतिनिधित्व न प्राप्त करे। आयोग की निष्पक्षता और स्वतंत्रता यह सुनिश्चित करती है कि परिसीमन पारदर्शी तरीके से किया जाए और कोई राजनीतिक प्रभाव या पक्षपाती दृष्टिकोण इसमें न आए। भारत में परिसीमन की प्रक्रिया का इतिहास काफी पुराना है। पहली बार 1951 में भारत में परिसीमन की प्रक्रिया की गई थी, जब देश की पहली लोकसभा का गठन हुआ। इसके बाद, 1963 और 1973 में भी परिसीमन हुआ, और 2002 में एक महत्वपूर्ण परिसीमन हुआ था, जिसमें जनसंख्या के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों का पुनर्निर्धारण किया गया। उस परिसीमन के बाद यह निर्णय लिया गया कि अगला परिसीमन 2021 की जनगणना के आधार पर 2026 के बाद किया जाएगा। परिसीमन की प्रक्रिया केवल गणना और आंकड़ों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होती है। इसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में समानता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। यदि परिसीमन में किसी प्रकार का भेदभाव होता है, तो इससे न केवल चुनावी परिणाम प्रभावित हो सकते हैं, बल्कि यह सामाजिक असंतोष और राजनीतिक तनाव को भी जन्म दे सकता है। इसलिए परिसीमन आयोग की निष्पक्षता और स्वतंत्रता को बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि किसी भी क्षेत्र या समुदाय को अनुचित लाभ न मिले और चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष बने। परिसीमन का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह लोकतंत्र को मजबूत करता है। जब निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं जनसंख्या के अनुसार होती हैं, तो यह सुनिश्चित होता है कि हर नागरिक को समान रूप से प्रतिनिधित्व मिले और चुनावी तंत्र में कोई असंतुलन न हो। यह प्रक्रिया चुनावी न्याय को सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। लोकतंत्र का एक मुख्य सिद्धांत यह है कि हर व्यक्ति को समान अधिकार मिलना चाहिए, और परिसीमन इस सिद्धांत को लागू करने में मदद करता है। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि हर नागरिक की आवाज़ को समान रूप से सम्मानित किया जाए, और यह लोकतांत्रिक तंत्र को मजबूत बनाती है। इस प्रकार, परिसीमन केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने और समाज में समानता, न्याय और समावेशिता सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। परिसीमन यह सुनिश्चित करता है कि हर नागरिक का वोट समान महत्व रखता है और यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि हर व्यक्ति को चुनावी प्रतिनिधित्व मिल सके। इसके माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि कोई भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया से वंचित न हो, और सभी नागरिकों को समान अवसर मिलें।अंत में, परिसीमन का महत्व केवल एक चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करने और एक सशक्त, समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में एक आवश्यक कदम है। यह प्रक्रिया लोकतंत्र के सही रूप को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक को उनके अधिकारों के अनुसार न्याय मिले। परिसीमन लोकतंत्र की वास्तविकता को धरातल पर उतारने का एक सशक्त माध्यम है।

हंसराज चौरसिया

क्या पाकिस्तान से युद्ध होना चाहिए?...

पहलगाम में जो दुर्घटना घटी, जिस बेदर्दी से लोगों को धर्म पूछ-पूछकर मारा गया, दिल दहला देने वाली घटना है। जिन लोगों ने अपने सामने अपनों को मरते देखा है उनका दर्द तो कभी कम भी नहीं हो सकता परन्तु जिस साजिश के तहत इस घटना को अंजाम दिया गया वो बहुत ही भड़काने वाली है। यानि धर्म पूछना और मारना इससे बड़ी साजिश नहीं हो सकती। हम सदियों से जानते हैं भारत अनेकता में एकता वाला देश है, जिसमें मुस्लिम, हिन्दू, ईसाई, सिख सब मिलकर रहते हैं, कोई फर्क नहीं है। हमारे देश में अब्दुल कलाम, फखरुद्दीन अली अहमद जैसे राष्ट्रपति, हमीद अंसारी जैसे उपराष्ट्रपति और इद?रीस हसन लतफीस जैसे एयर चीफ मार्शल (1978 से 1981) रहे हैं। हर पोस्ट में हिन्दू, मुस्लिम, सिख हैं। कहीं छुटपुट हिंसा या आपसी मतभेद होते हैं तो उन लोगों में होते हैं जो पढ़े-लिखे नहीं या जिनको अपने स्वार्थ के लिए लड़ाया जाता है। पाकिस्तान के लोग हों या हिन्दोस्तान के लोग बहुत ही अच्छे हैं। आपस में प्यार से रहना चाहते हैं परन्तु राजनीति के स्पेशली जो पाकिस्तान की आर्मी है क्योंकि वहां स्थिरता नहीं है। कोई काम नहीं। आम लोगों की बुरी हालात है। 1947 से लेकर आज तक दोनों देशों के बीच रिश्ते कभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए, इसलिए पाकिस्तान बार-बार साजिश रचता है कि हिन्दोस्तान में हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर दंगे हों इसलिए भारतीय हिन्दू-मुस्लिम को समझदारी रखनी जरूरी है। क्योंकि इस समय हर भारतीय का खून खौल रहा है और हम सब यही सोचते हैं कि पाकिस्तान की इस नापाक हरकत का जवाब युद्ध से देना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान की जमीन से संचालित होने वाले कई आतंकी संगठन भारत पर हमले करते हैं। उरी और पुलवामा 2019 जैसे हमले हमारे सैनिकों और आम नागरिकों के लिए बहुत बड़ा जख्म रहे हैं। जब शांति की हर कोशिश के बावजूद पाकिस्तान अपनी नीतियां नहीं बदलता तो उसे कड़ा जवाब देना अनिवार्य हो जाता है।

यही नहीं सीमा पर बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन करता है। सीमा पर गोलीबारी से हमारे सैनिक शहीद होते हैं और सीमा से सटे गांव भी प्रभावित होते हैं। बेकसूर लोग मारे जाते हैं, बिना युद्ध के सैनिक शहीद होते हैं। जब देश पर हमला होता या सैनिकों का अपमान होता है तब जनता की अपेक्षा होती है कि सरकार कड़ा कदम उठाए। कभी-कभी युद्ध जैसे विकल्प का सहारा लेना देश की प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए जरूरी हो जाता है। अगर देखा जाए तो युद्ध में दोनों देशों का बहुत नुक्सान होगा। हजारों सैनिकों की जान जाएगी, आम नागरिक पीड़ित होंगे और सबसे महत्वपूर्ण देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ेगा। युद्ध से विनाश होगा समाधान नहीं। यही नहीं आज भारत मोदी जी के नेतृत्व में एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति है। हमें बेरोजगारी, गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों से लड़ना है न कि बंदूकों से। युद्ध से ध्यान असली समस्याओं से हट जाएगा। यही नहीं भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु हथियार सम्पन्न देश हैं। युद्ध की स्थिति में अगर यह हथियार प्रयोग हुए तो यह न केवल दोनों देशों में बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक त्रासदी होगी।

मेरा भी पहलगाम की घटना के बाद बहुत खून खोलता है। दिल करता है मैं भी अपने हाथ में बंदूक लेकर उन आतंकवादियों का खात्मा करूं जिन कायरों ने निहत्थे लोगों पर वार किया, पत्नी के सामने पति और बहन के सामने भाई, बच्चों के सामने पिता को बेदर्दी के साथ कत्ल किया। पांच-छह लोगों की गंदी मानसिकता और देश में दंगे फैलाने की मानसिकता के कारण?युद्ध हो यह भी गलत हो जाएगा, क्योंकि पाकिस्तान में बैठे लोग जो आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं, भारत की उन्नति पर जलते हैं, उनके उकसाने या गलत हरकत से पूरे देश के लोगों का नुक्सान या अर्थव्यवस्था को बिगाड़ा नहीं जा सकता। दुश्मनी से केवल तनाव बढ़ता है लेकिन संवाद और सहयोग से समस्याओं का हल निकल सकता है। व्यापार, संस्कृति और आपसी समझ से रिश्ते सुधर सकते हैं। भारत को चाहिए पाकिस्तान से उन आतंकवादियों को मांगे और उनको सब के सामने सजा मिले। युद्ध कोई खेल नहीं है। यह एक गम्भीर निर्णय है जिससे जान, सम्पत्ति और देश की दिशा दाव पर लगती है। हमें मजबूत रहना है, आतंकवाद और हमलों का जवाब देना भी जरूरी है परन्तु इसके लिए युद्ध को अंतिम विकल्प भी नहीं मानना है। शांति कोई कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी और दूरदर्शिता का प्रतीक है। भारत को शांति की ताकत और सुरक्षा की सख्ती दोनों का संतुलन बनाकर चलना होगा। वैसे तो यह सब सरकार, मोदी जी और तीनों सेनाओं का निर्णय होगा। मैं तो अपने मन की बात लिख रही हूं कि भारत की कोई दुश्मनी किसी धर्म, विशेषकर इस्लाम से नहीं है। हमारे बहुत से मुस्लिम नेता हुए?हैं और हैं। बहुत अच्छे हिन्दोस्तानी नागरिक हैं। हमारा विरोध आतंकवाद और पाकिस्तान की नीतियों से है न कि भारत में रहने वाले मुस्लिम या किसी भी धर्म से। भारत की विविधता ही उसकी शक्ति है। इसलिए पाकिस्तान से युद्ध की बात धर्म से जुड़ी नहीं, सिर्फ और सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है। भारत किसी से डरता नहीं, शांति हमारी प्राथमिकता है, पर राष्ट्र की रक्षा हमारा कर्त्तव्य है, युद्ध अंतिम विकल्प है।

भारत, पाक और अमेरिका

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिर कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ सरकार कड़ी व पुख्ता कार्रवाई करेगी और आतंकवाद को समर्थन देने वालों के खिलाफ भी सख्त निर्णायक कदम उठाये जायेंगे। विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में जिस तरह 27 भारतीय पर्यटक नागरिकों की पाकिस्तान से आये दहशतगर्दों ने उनका धर्म पूछ-पूछकर हत्या की उससे न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ गुस्सा पैदा हुआ। यही वजह है कि आज विश्व के अधिकतम विकसित व विकासशील देश इस मुद्दे पर भारत का समर्थन कर रहे हैं। पहलगाम की घटना के बाद पहला फोन अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड का ही श्री नरेन्द्र मोदी के पास आया और बाद में रूसी राष्ट्रपति श्री पुतिन ने भी श्री मोदी से बात की। संयोग यह रहा कि जब पहलगाम में यह घटना हुई तो अमेरिका के उपराष्ट्रपति श्री जे.डी. वेंस अपने परिवार सहित भारत की यात्रा पर थे। उनके भारत में रहते ही पहलगाम में आतंकवादी वारदात हुई थी। जाहिर तौर पर यह कहा जा सकता है कि पहलगाम के जवाब में भारत पाकिस्तान को जो सबक सिखाना चाहता है उससे अमेरिका असहमत नहीं है।

पिछले कुछ दिनों में अमेरिका के विदेश मन्त्री व रक्षामन्त्री ने भी भारत के विदेश मन्त्री श्री एस. जयशंकर व रक्षामन्त्री श्री राजनाथ सिंह से टेलीफोन पर वार्ता की। अमेरिकी रक्षामन्त्री ने तो श्री राजनाथ सिंह से साफ कहा कि भारत को अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत को जो विश्व शक्तियों का समर्थन मिल रहा है उससे पाकिस्तान पूरे विश्व में अकेला पड़ता जा रहा है और घबरा रहा है। मैं शुरू से ही कहता रहा हूं कि पाकिस्तान एक नाजायज मुल्क है जिसकी बुनियाद हिन्दू-मुस्लिम का द्वि-राष्ट्रवाद का सिद्धान्त है। भारत ने अपने स्वतन्त्र होने और बंटवारा होने के बाद भी इस सिद्धान्त को कभी स्वीकार नहीं किया। यह बेवजह नहीं है कि भारत में आज भी पाकिस्तान के 24 करोड़ मुसलमानों के मुकाबले ज्यादा मुस्लिम रहते हैं और ये पक्के राष्ट्र भक्त हैं। मगर भारत 1947 में हुए बंटवारे की त्रासदी को भी नहीं भूला है। भारत की हिन्दू-मुस्लिम एकता कितनी मजबूत है इसका उदाहरण भी हमें कश्मीर में ही मिलता है। 1947 में जब देश का बंटवारा हो रहा था और मुहम्मद अली जिन्ना मुसलमानों के लिए पाकिस्तान बनवा रहे थे तो मुस्लिम बहुल जम्मू-कश्मीर राज्य में एक भी साम्प्रदायिक दंगा नहीं हुआ था जबकि पूरे भारत में ऐसी वारदातें हो रही थीं। जिसे देखकर ही महात्मा गांधी ने कहा था कि जब पूरे देश में अंधियारा छाया हुआ है तो कश्मीर से एक आशा की किरण फूटी है।

राष्ट्रपिता की कश्मीर के बारे में यह टिप्पणी ऐतिहासिक धरोहर की है जिससे कश्मीर हमेशा जगमगाता रहता है परन्तु 1990 में पाकिस्तान परस्त कुछ आतंकवाद समर्थक लोगों ने कश्मीर घाटी से हिन्दू पंडितों का पलायन कराया। ये कश्मीरी हिन्दू आज भी वापस लौटने की तैयारी में ही हैं। मगर 5 अगस्त, 2019 को जब देश के गृहमन्त्री श्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया तो उसके बाद कश्मीर फिर जगमगाने की तरफ आगे बढ़ने लगा। मगर पाकिस्तान की ना-मुराद फौज से यह बर्दाश्त नहीं हुआ और वह जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकवादी कार्रवाइयों में मशगूल रही। भारत के सशस्त्र बलों ने इसका जमकर मुकाबला किया परन्तु विगत 22 अप्रैल को पाकिस्तान के आतंकवादियों ने सारी सीमाओं को लांघ डाला और पहलगाम में 27 लोगों की निर्मम हत्या कर डाली। इसका जवाब तो भारत को देना ही होगा। अतः अमेरिका के उपराष्ट्रपति श्री वेंस का यह कहना यथार्थ से परे नहीं है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ ऐसा कदम न उठाये जिससे पूरे क्षेत्र में ही युद्ध का संकट खड़ा हो जाये क्योंकि भारत व पाकिस्तान दोनों ही परमाणु शक्ति सम्पन्न देश हैं। मगर पाकिस्तान की परमाणु शक्ति अवैध है जबकि भारत की परमाणु शक्ति को पूरी दुनिया की वैधता प्राप्त है और भारत की यह घोषित नीति है कि वह कभी परमाणु बम का उपयोग पहले नहीं करेगा। ये हथियार उसकी आत्मरक्षार्थ ही हैं और आत्मरक्षा करने का जायज अधिकार भारत को है। अतः विश्व को यदि समझाना है तो पाकिस्तान को ही समझाना है कि वह आतंकवाद की तरफ न बढ़े। हालांकि जिस तरह के प्रमाण भारत ने पाकिस्तान के बारे में दुनिया के मुल्कों को दिये हुए हैं उनसे तो यह पूरा मुल्क ही आतंकवादी देश है। अतः अमेरिका को ही यह सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान किसी भी सूरत में उसके द्वारा दिये गये हथियारों का इस्तेमाल भारत के विरुद्ध न करे।

जहां तक चीन का सवाल है तो वह आजकल पाकिस्तान को अपने कन्धे पर बैठा कर जरूर घूम रहा है मगर वह भी पाकिस्तान की हकीकत जानता है। भारत ने सिन्धु नदी जल समझौते को ठंडे बस्ते में डाल कर साफ कर दिया है कि वह पाकिस्तान को करारा सबक सिखाना चाहता है क्योंकि आज भी इसका सेना प्रमुख उस द्वि-राष्ट्रवाद के सिद्धान्त का ढोल बजाता है जिसे 1971 में इसी की जनता ने कब्र में गाड़ कर बंगलादेश का निर्माण किया था। बेशक 1971 में अमेरिका ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया था मगर आज परिस्थितियां आधारभूत ढंग से पूरी तरह बदली हुई हैं और अमेरिकी नेताओं व प्रशासन को इन्हीं के अनुसार अपना रुख तय करना होगा।

संपादकीय

वैश्विक शांति में आतंकवाद एक बड़ा अवरोध

(विस्तारवाद के नेपथ्य में आतंकवाद)

समग्र रूप से वैश्विक स्तर पर देखें तो आतंकवाद कई देशों के लिए बड़ा नासूर बन चुका है। भारत में पहलगाम घटना को लिया जाए तो निर्दोष 27 भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या इसका एक बड़ा उदाहरण है वैश्विक परिपेक्ष में देखें तो वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद बहुत बड़ा अवरोध और बड़ी रुकावट है इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए अन्यथा मानवता कराहने लगेगी और ऐसे ही निर्दोष मासूम नागरिकों की हत्या होती रहेगी इनके विरुद्ध कडे से कड़ा कदम उठाकर इनकी जड़े ही खत्म कर देनी चाहिए और आतंकवादियों को चुन चुन कर मारा जाना चाहिए। इसराइल हमास युद्ध किसकी एक बड़ी कड़ी है और अब भारत सरकार भी पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के साथ उनके पालनहारों को भी खत्म करने में लगी हुई है।

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना हैद्य भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती हैद्य भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका है आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगाद्य वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी हैद्य आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही हैद्य वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध मैं भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर

गुम होती सुबहें- प्रकृति की चेतावनी

[जहाँ गौरैया नहीं गाती- शहर की मूक त्रासदी]

हर सुबह की शुरुआत पहले चहचहाते स्वर के साथ होती थी – जब गौरैया की चहचहाहट, कोयल की मधुर कूक और कबूतरों की गुटरगूं से घर आंगन गूंज उठते थे। ऐसा लगता था मानो प्रकृति ने जागरण की घड़ी भेजी हो। पर अब वह सुबहें खामोश हैं, और वो स्वर कहीं गुम होते जा रहे हैं। यह खामोशी सिर्फ कानों को नहीं, दिल को भी चीरती है। हमने ऊंची इमारतें, चमचमाती सड़कें और आधुनिकता का तमगा तो हासिल कर लिया, पर क्या कभी ठहरकर सोचा कि इस चकाचौंध के पीछे हमने क्या खो दिया? वे छोटे पंखों वाले मेहमान, जो कभी हमारे आंगन का हिस्सा थे, अब कहीं गुम हो चुके हैं। यह सिर्फ पक्षियों की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि हमारे और प्रकृति के बीच बढ़ती खाई की कहानी है। शहरों में बदलते पक्षी आवास एक अनदेखी चुनौती बनकर उभरे हैं, जो हमें चेतावनी दे रही है – अगर अभी नहीं जागे, तो आने वाली सुबहें और भी सन्नाटे में डूब जाएंगी। शहरों का विस्तार आधुनिकता का प्रतीक है, लेकिन यह विस्तार एक भारी कीमत वसूल रहा है। कभी जिन पेड़ों की छांव में चिड़ियां घोंसले बनाती थीं, वे अब कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं। बगीचे, तालाब और खुली छतें, जो पक्षियों का बसेरा हुआ करती थीं, अब मॉल्स, हाईवे और बहुमंजिला इमारतों की भेंट चढ़ गए हैं। गौरैया, जो कभी हर घर की शोभा थी, अब दुर्लभ हो चली है। बुलबुल की मधुर आवाज और मैना की चंचलता अब शायद ही कहीं सुनाई दे। यह सिर्फ कुछ प्रजातियों का गायब होना नहीं, बल्कि उस पारिस्थितिकी तंत्र का टूटना है, जो हमें जीवन देता है। पक्षी केवल गीत और सौंदर्य नहीं लाते; वे प्रकृति के संतुलन का आधार हैं। वे बीज बिखेरते हैं, कीटों को नियंत्रित करते हैं और जैव विविधता को जीवंत रखते हैं। लेकिन जब उनके घर ही उजड़ जाएंगे, तो वे कहां जाएंगे?

शहरीकरण की अंधी दौड़ ने पक्षियों के लिए कई खतरे खड़े किए हैं। बढ़ता प्रदूषण, मोबाइल टावरों से निकलने वाला विद्युत-चुंबकीय विकिरण, और हरित क्षेत्रों का तेजी से सिकुड़ना उनके अस्तित्व पर संकट बनकर मंडरा रहा है। एक अध्ययन के अनुसार, भारत के कई शहरों में गौरैया की आबादी में 60-70त्न तक की कमी आई है, और यह आंकड़ा हर साल बढ़ रहा है। विश्व स्तर पर, 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' ने कई शहरी पक्षी प्रजातियों को लुप्तप्राय की सूची में शामिल किया है। यह संकट केवल पक्षियों तक सीमित नहीं है। जब पक्षी गायब होते हैं, तो कीटों की संख्या बढ़ती है, फसलों को नुकसान होता है, और पारिस्थितिकी तंत्र की पूरी श्रृंखला प्रभावित होती है। फिर भी, हम इस संकट को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? शायद इसलिए कि इसका असर तुरंत सामने नहीं आता। यह एक मूक आपदा है, जो धीरे-धीरे हमें घेर रही है। हमारी अनदेखी का एक कारण यह भी है कि हम पक्षियों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़कर नहीं देखते। हमारी सुबहें अब अलार्म की घंटियों से शुरू होती हैं, न कि चिड़ियों की चहचहाहट से। बच्चे अब गौरैया को किताबों में या यूट्यूब पर देखते हैं, न कि अपने आंगन में। यह नुकसान सिर्फ पर्यावरण का नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और भावनात्मक विरासत का भी है। क्या हम चाहेंगे कि हमारी अगली पीढ़ी प्रकृति के इस जीवंत हिस्से से अनजान रहे? क्या हम उन्हें वह अनुभव देने से चूक जाएंगे, जो हमने अपने बचपन में जिया – जब एक गौरैया का दाना चुगना या कोयल का गाना हमें प्रकृति से जोड़ता था?

इस संकट का समाधान असंभव नहीं है, बशर्ते हम अभी कदम उठाएं। छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव ला सकते हैं। शहरों में छतों पर बगीचे बनाना, पुराने पेड़ों को संरक्षित करना, और पक्षियों के लिए पानी व दाने की व्यवस्था करना शुरुआती कदम हो सकते हैं। स्थानीय निकायों को शहरी नियोजन में पक्षी-अनुकूल नीतियां अपनानी होंगी, जैसे कि पार्कों और हरित पट्टियों को बढ़ाना। स्कूलों में बच्चों को पक्षियों के महत्व और उनकी सुरक्षा के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए। सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं, ताकि लोग अपने घरों में छोटे घोंसले या बर्ड-फीडर लगाएं। कुछ शहरों ने पहले ही इस दिशा में कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों में स्थानीय संगठनों ने 'स्पैरो प्रोजेक्ट' शुरू किए हैं, जिनके तहत गौरैया के लिए घोंसले और भोजन की व्यवस्था की जा रही है। ये प्रयास प्रेरणादायक हैं, लेकिन इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक समर्थन की जरूरत है। हमें यह भी समझना होगा कि पक्षियों का संरक्षण केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि हमारी अपनी भलाई से जुड़ा है। एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र ही हमें स्वच्छ हवा, पानी और भोजन दे सकता है। जब हम पक्षियों को बचाते हैं, तो हम अपने भविष्य को बचाते हैं। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें सरकार, समाज और हर व्यक्ति की भूमिका है। हमें अपने शहरों को सिर्फ इंसानों के लिए नहीं, बल्कि उन सभी जीवों के लिए रहने योग्य बनाना होगा, जो इस धरती को हमसे साझा करते हैं। सोचिए, एक ऐसी सुबह कैसी होगी जब आपकी खिड़की पर फिर से गौरैया चहचहाए, जब कोयल की कूक आपके दिन की शुरुआत करे। यह सपना हकीकत बन सकता है, बशर्ते हम आज से शुरुआत करें। लेकिन अगर हम चुप रहे, अगर हमने इस चेतावनी को अनसुना कर दिया, तो वह दिन दूर नहीं जब शहरों की सुबहें सिर्फ सायरन और हॉर्न की आवाजों से गूंजेंगी। चुनौती हमारे सामने है। सवाल यह है – क्या हम उन पंखों को फिर से उड़ान दे पाएंगे, या हम उन्हें हमेशा के लिए खामोश कर देंगे? जवाब आपके और मेरे हाथ में है।

प्रो. आरके जैन

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में अपराधियों की खैर नहीं- लूट के मामलों में लिप्त पाँच शातिर बदमाश दबोचे गए

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी में अपराध की काली दुनिया में दहशत फैलाने वाले पाँच दुर्दांत अपराधी आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ ही गए। नगराम थाना क्षेत्र में सक्रिय ये अपराधी एक बड़ी वारदात की साजिश रचने की फिराक में थे, लेकिन सतर्क पुलिस ने समय रहते इन्हें धर दबोचा। ये सभी पहले भी लूट, मारपीट और अवैध हथियारों के मामलों में जेल की हवा खा चुके हैं।

नगराम पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ पुराने अपराधी इलाके में इकट्ठा होकर किसी संगीन वारदात की योजना बना रहे हैं। थाना प्रभारी की अगुवाई में एक टीम तत्काल मौके पर पहुंची और चारों ओर से घेराबंदी कर इन बदमाशों को रंगे हाथों पकड़ लिया।1. अंकुश वर्मा पुत्र राजकुमार - इस पर लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के तहत चार से अधिक मामले थाना नगराम, लोकबंधु और मोहनलालगंज में दर्ज हैं।2. अवधेश पुत्र श्रीराम - धारा 394/411 के तहत नगराम थाने में लूट का मामला दर्ज है।3. अमर पुत्र रामसूख - गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज।4. अर्जुन पुत्र फकीरी - लूट और अवैध हथियार रखने का आरोपी।5. अशोक कुमार पुत्र राजाराम - कई मामलों में संलिप्तता।

कर्मठ पुलिस टीम ने निभाई बड़ी भूमिका-

इस अभियान में उपनिरीक्षक संजय सिंह, रजनेश सिंह, रंजीत कुमार, महिला कांस्टेबल अंशुमान देवी, हेड कांस्टेबल नाज मोहम्मद और कांस्टेबल संजय चौहान की सक्रियता और साहसिक भूमिका सराहनीय रही।

शतचंडी महायज्ञ,श्रीमद् भागवत कथा का समापन पूर्णाहूति कन्या भोज व विशाल भंडारे के साथ हुआ।

मुख्य यजमान अमित शुक्ला ने इस धार्मिक आयोजन में आने वाले सभी भक्तों का हृदय से आभार जताते हुए प्रभु से आशीर्वाद की कामना की।

बेनीगंज/हरदोई- श्री शतचंडी महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन श्रीमद् भागवत कथा का समापन रविवार को पूर्णाहूति कन्या भोज व विशाल भंडारे के पश्चात हुआ। बता दें विगत वर्ष की बात इस वर्ष भी ग्राम झरोईया के श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर पर श्री शतचंडी महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन मुख्य यजमान अमित शुक्ला उर्फ गुड्डू की देखरेख में किया गया। धार्मिक आयोजन की शुरुआत 28 अप्रैल सोमवार को कलश यात्रा,वेदी रचना के साथ सुरू हुई थी। जिसका समापन आज 4 मई रविवार पूर्णाहूति कन्या भोज व विशाल भंडारे के पश्चात हुआ। 7 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कथा व्यास पंडित रामकिंकर शुक्ला के मुखारविंद से सुंदर कथा का रसपान कर भक्त खूब शराबोर हुए। शतचंडी महायज्ञ में आचार्य द्वारा वेद मंत्र उच्चरणों के साथ बनाए गए हवन कुंड में भक्तों ने आहुति डाली। मुख्य यजमान अमित शुक्ला ने इस धार्मिक आयोजन में आने वाले सभी भक्तों का हृदय से आभार जताया। प्रभु से सभी भक्तों के लिए आशीर्वाद की कामना की।

सार्वजनिक आवश्यक सूचना

मैं उमाकांत तिवारी पुत्र आत्मजः हौशिला प्रसाद तिवारी, ममता देवी पत्नी उमाकांत तिवारी, राम लीला मैदान जलालपुर तिवारी, जगदीशपुर, अमेठी, उत्तर प्रदेश - 227809 यह सूचित करता हूँ कि मैंने अपनी पुत्री /बहन मीनाक्षी तिवारी से सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिए हैं। उनका व्यवहार अनुचित है उन्होंने मेरी आज्ञा विरूद्ध भागकर विशाल त्रिपाठी से 18 अप्रैल 2025 को शादी कर ली है जिस कारण मुझे समाज में काफी अपमान सहना पड़ा है और इनके गलत आचरण के चलते मुझे सामाजिक और मानसिक क्षति पहुंची है । इस कारण मैं अपनी पुत्री/बहन को चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं । भविष्य में उनके किसी भी कार्य, विवाद, लेन-देन या किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी के लिए मैं या मेरा परिवार उत्तरदायी नहीं होगा ।

खुजौली की कीमती सरकारी जमीन पर हुआ अवैध कब्जा

● ...ईद की छुट्टी में रातों-रात खड़ा कर दिया था पक्का मकान....

तहसील प्रशासन की चुप्पी पर ग्रामीणों में आक्रोश, पंचायत सदस्य लीलावती ने लगाई गुहार.....

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र खुजौली कस्बे में स्थित गाटा संख्या 1350, जो राजस्व अभिलेखों में बंजर के रूप में दर्ज सरकारी भूमि है, पर अवैध कब्जे और निर्माण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार, उक्त भूमि पर रेनू पत्नी पुत्तीलाल निवासी रामपुर हलोर वर्तमान पता खुजौली द्वारा बिना किसी वैध परमिशन या सरकारी पट्टे के रातों-रात पक्का मकान खड़ा कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई ईद की छुट्टी के दौरान की गई, जब सरकारी दफ्तर बंद थे। इस जमीन की अनुमानित बाजार कीमत बीस से पच्चीस लाख रुपये के बीच बताई जा रही है।पंचायत सदस्य ने जताई आपत्ति, अधिकारियों को दी जानकारी ग्राम पंचायत खुजौली की निर्वाचित सदस्य लीलावती पत्नी हंसराज ने इस अवैध कब्जे के खिलाफ उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज को एक लिखित प्रार्थना पत्र सौंपा है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि यह भूमि न्यायालयीय विवाद में है। और हाईकोर्ट लखनऊ में वाद लंबित है। इसके बावजूद शासन व न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना करते हुए निर्माण कार्य कराया जा रहा है।लीलावती के अनुसार, उक्त भूमि पर यूपी शासन के आदेश संख्या 67/0300/0180/2006 के तहत निर्माण पूर्णतः वर्जित है। इसके बावजूद संबंधित लेखपाल, पुलिस चौकी व तहसील प्रशासन ने शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि जनसुनवाई पोर्टल पर भी की कई शिकायतें लीलावती ने जनसुनवाई पोर्टल पर इस संबंध में चार शिकायतें दर्ज की हैं, जिनकी आईजीआर संख्याएं हैं। 40015724076904/40015725025650/40015725025654/40015724091579/इन शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि तहसील प्रशासन ने जिलाधिकारी कार्यालय को भी गुमराह करते हुए गलत रिपोर्ट भेजी है कि कोई कब्जा नहीं हो रहा है।

जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग.....

खुजौली ग्राम पंचायत की सदस्य लीलावती और स्थानीय ग्रामीणों ने जिलाधिकारी लखनऊ से मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया जाए।

"मानसिक तनाव प्रबंधन एवं चिकित्सकीय सहयोग" विषय पर सेमिनार का सफल आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। विश्व आयुर्वेद परिषद एवं भारत आयोग फाउंडेशन के तकनीकी सहयोग से लखनऊ स्थित भूमि सिटी अस्पताल में रविवार, 4 मई 2025 को "मानसिक तनाव प्रबंधन एवं चिकित्सकीय सहयोग" विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री अरुण कुमार गुप्ता 'शक्तिपुत्र', आर.आर. इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज के निदेशक, एवं विशेष अतिथि पूनम आरती सिंह, एच.ओ.डी. डिपार्टमेंट ऑफ फार्मेसी रीजेंसी कॉलेज, डॉ. उमा रस्तोगी, प्रख्यात हॉस्पिटल की मेडिकल डायरेक्टर एवं सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उपस्थित रहीं।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. सत्यप्रकाश मिश्रा, डॉ. गिरीश शर्मा, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. संदीप मिश्रा, डॉ. रमेश सुलभ, डॉ. धर्मेंद्र सिंह एवं डॉ. स्वप्निल को उनके चिकित्सकीय-शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सकों का प्रेरणास्रोत अनुभव डॉ. सत्यप्रकाश मिश्रा को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने मानसिक तनाव की जटिलताओं, उसके दुष्प्रभाव एवं चिकित्सा पद्धतियों द्वारा समाधान पर विस्तार से प्रकाश डाला। आयोजन में प्रमुख योगदान डॉ. अरुण कुमार सिंह (सीनियर वैज्ञानिक) एवं डॉ. अरुण कुमार (पूर्व हेड हार्ट डिपार्टमेंट) की उल्लेखनीय भूमिका रही।कार्यक्रम का समापन सामूहिक फोटो सत्र एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

संगठन ही कांग्रेस पार्टी की ताकत है- शिशिर

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर शहर कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक बैठक स्थानीय घंटाघर शहर कांग्रेस कार्यालय पर की गई जिसमें जननायक राहुल गांधी जी के सामाजिक न्याय, पदाधिकारी के चयन, आदि पर चर्चा की गई बैठक को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष शिशिर वाजपेई ने कहा कि कांग्रेस का एजेंडा समाज में फिरकापरस्त ताकतों के खिलाफ विपक्ष की आवाज बनने का है श्री वाजपेई ने कहा की आगे सभी कांग्रेसियों को टीम वर्क में एक साथ एकजुट होकर काम करना है एवं अगले चरण में वार्ड कमेटियों एवं वार्ड अध्यक्षों के साथ शहर पदाधिकारी की भी नियुक्ति सभी कार्यकर्ताओं, नेताओं के सहयोग एवं समर्थन से की जाएगी श्री वाजपेई ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मोदी सरकार इस देश में धर्म के नाम पर लोगों को बांटने का प्रयास कर रही है आज महंगाई बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है और देश में विपक्ष के एकमात्र नेता राहुल गांधी जी है कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष डा0ममता वर्मा, पूर्व विधायक हरीश बाजपेई, पूर्व जिला अध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी, रमेश निषाद, विनीत दीक्षित, संजीत नाथ गुप्ता, आमोद मिश्रा, धीरेश कश्यप, राजकिशोर सिंह, मसरूर खान, रमेश चंद्र गौड, कयूम अंसारी, गुफरान खान डॉ मसरूर अली, प्रेमलता शुक्ला, शोभित अवस्थी, अमरकांत, मुनेंद्र गौतम, नरेंद्र वर्मा,श्याम सुंदर शुक्ला, गुरु शरण द्विवेदी, दीपा वैश्य, अभय कुमार मिश्रा, मोहम्मद अहमद अंसारी, रिजवान खान, संजीव दीक्षित, ओम प्रकाश मिश्रा, मोहम्मद इजाजुल हसन, शिवम गुप्ता, श्रेष्ठ तिवारी मुनेंद्र अवस्थी, खुशनुमा, शत्रुघ्न लाल, दयाराम, इंद्रपाल, राम लखन, गंगाराम, रविंद्र राठौर, नागराज कश्यप, तुफैल अंसारी, आशा कनौजिया, संजय कुमार सनी, इमरान अली, रिजवान खान,मथुरा प्रसाद यादव, आदि उपस्थित रहे।

टाटा कैंटर से 120 पेटी शराब पकडी

मथुरा। आबकारी टीम के साथ मिल कर थाना छता पुलिस ने दो लोगों को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। 120 पेटी अंग्रेजी शराब हरियाणा मार्का एवं तस्करी में प्रयुक्त वाहन को पुलिस ने कब्जे में लिया है। एनएच 19 पर चौकिंग के दौरान आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम को यह सफलता मिली। संयुक्त कार्यवाही में मुखबिर की सूचना के आधार पर रविवाा को करीब करीब साढे आठ बजे कस्बा चौकी के आगे मन्दिर के सामने एनएच 19 से अजय कुमार पुत्र सन्तुराम निवासी कुदरिया मांगो थाना पारों जिला मुजफ्फरपुर बिहार व अजय कुमार पुत्र लागनराम निवासी कटारू फतेपुर थाना बेलसाड जिला वैशाली राज्य बिहार को पुलिस ने पकडा। पुलिस ने 110 पेटी रॉयल स्टेज (750एमएल) व 10 पेटी ब्लैंडर प्राइड (750 एमएल) अंग्रेजी शराब हरियाणा मार्का (कुल 120 पेटी) को बरामद किया। शराब की पेटियों को टाटा आईसर कैन्टर बीआर 06 जीवी 5116 में छुपाकर ले जाया जा रहा था। इस संबंध मेंआबकारी अधिनियम में थाना छता पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा थाना छाता, निरीक्षक अपराध अमित चौहान थाना छाता, आबकारी निरीक्षक अंजली शर्मा मय टीम मथुरा। एसआई चन्द्रवीर सिंह थाना छाता, एसआई हुकम सिंह थाना छत आदि पुलिसकर्मी थी।

एहराज हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल में मेधावी छात्र/छात्राओं को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर सीतापुर लहरपुर नगर के एहराज हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हुआ मेधावी छात्र सम्मान समारोह। नगर के मोहल्ला इंदिरानगर स्थित एहराज हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल में हाई स्कूल की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्राओं को शील्ड मेटल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। हाई स्कूल की बोर्ड परीक्षा 2024-25 में सम्मिलित हुए छात्र छात्राओं में से 26 बच्चों को शील्ड मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । बोर्ड परीक्षा में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा नरगिस बानो, द्वितीय स्थान हुमैरा खातून, तृतीय स्थान किस्मतुन निशा ने प्राप्त किया वही बालक वर्ग में प्रथम मो0 फैज, द्वितीय मो0 फैजान, व तृतीय स्थान मो0 जुबैर ने प्राप्त किया। इस दौरान संस्था प्रबंधक आफाक हुसैन ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए, आपको लक्ष्य निर्धारित करने और उसके प्रति दृढ़ संकल्प के साथ काम करने की आवश्यकता है। सफलता के लिए अपने समय का प्रबंधन करना जरूरी है इसलिए यदि आप जीवन में सफल होना चाहते हैं तो समय प्रबंधन कौशल सीखें। आप सतत प्रयास करते रहें तो सफलता अवश्य मिलती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हाशिम अंसारी ने कहा कि छात्र- छात्राओं को पूरी लगन से अध्ययन कर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करके देश सेवा के लिए तत्पर रहने की हिदायत दी। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ पढ़ाई करने का संदेश दिया। इस मौके पर मेधावी छात्र छात्राओं के अभिभावक समेत अध्यापक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत कृषि सखियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

● कृषि सखियां किसानों को अब सिखाएगीं प्राकृतिक खेती की विधियां

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान, हैदराबाद एवं कृषि विभाग सीतापुर के सहयोग से कटिया में कृषि सखियों का प्रशिक्षण आयोजित

वैज्ञानिको से कृषि सखियों नें सीखी खेती की बारीकियां

किसानों को अब मिलेगा कृषि सखियों का साथ, प्रकृति की भी होगी सुरक्षा

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। कृषि विज्ञान केंद्र-II, कटिया, सीतापुर में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत विकास खंड महमूदाबाद एवं बिसवां की चयनित कृषि सखियों हेतु आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के समापन सत्र में केन्द्र के अध्यक्ष व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दया शंकर श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को कृषि सखियों की प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महिलाओं को गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पहलुओं से सशक्त करना है। प्रशिक्षण का उद्देश्य लघु और सीमांत कृषको तक प्राकृतिक खेती की विधा को अधिक से अधिक पहुचाने और अनुपालन में योगदान करना है।

प्रशिक्षण प्रभारी एवं मृदा वैज्ञानिक श्री सचिन प्रताप तोमर ने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती मिशन योजना, बीजामृत, जीवामृत, धनजीबमृत व प्राकृतिक खेती में कीटों एवं बीमारियों से फसल को बचाने के लिए दसपर्णी अर्क, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र आदि को बनाने की विधियों के अतिरिक्त फसल अवशेष प्रबंधन, मिट्टी परीक्षण की विधि, पोषण वाटिका, भंडारण तकनीक पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। सहायक विकास अधिकारी श्री रविन्द्र कुमार के प्राकृतिक खेती की अवधारणा को विस्तार से समझाते हुए बताया कि यह प्रणाली स्थानीय संसाधनों पर आधारित, कम लागत वाली, रासायनिक मुक्त खेती को बढ़ावा देती है। इसका उद्देश्य मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम केन्द्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. आनंद सिंह ने देसी गाय के गोबर और गोमूत्र आधारित कृषि इनपुट जैसे बीजामृत, जीवनामृत, घनजीवामृत, दशपर्णी अर्क, नीमास्त्र आदि की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती में गाय एक केंद्रीय भूमिका निभाती है, जो न केवल इनपुट का स्रोत है, बल्कि खेती को रासायनमुक्त और टिकाऊ बनाने में सहायक है।

केन्द्र के प्रसार वैज्ञानिक श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की नीति, उद्देश्यों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिशन का मुख्य फोकस फार्म पर निर्मित जैविक इनपुट के उपयोग को बढ़ावा देना, बाहरी खरीद पर निर्भरता कम करना तथा सतत कृषि प्रणाली को अपनाना है। केन्द्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डा. रीमा ने प्राकृतिक खेती में मिलेट्स (मोटे अनाज) की वैज्ञानिक खेती, उत्पादन तकनीक, कीट एवं रोग प्रबंधन, जल संरक्षण तथा पोषण सुरक्षा पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि मिलेट्स न केवल पोषक तत्वों से भरपूर हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के अनुकूल फसलें भी हैं, जो सतत कृषि विकास का आधार बन सकती हैं।

प्राकृतिक खेती के मास्टर ट्रेनर एवं कमुआ निवासी प्रगतिशील कृषक श्री अशोक कुमार गुप्ता ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि किस तरह प्राकृतिक खेती द्वारा किसान भाई खेती की लागत के साथ गुणवत्तायुक्त अनाज, सब्जियां ले सकते हैं। बिसवां निवासी श्रीमती शीतल त्रिवेदी ने कृषि सखियों को केंचुआ खाद उत्पादन करने की तकनीकी पर विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि किस प्रकार महिलाएं खेती के साथ केचुआ खाद बिक्री करके अतिरिक्त आय सृजन कर सकती हैं। केंद्र ने प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ योगेंद्र प्रताप सिंह ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए बताया कि प्राकृतिक खेती की सभी ने नई तकनीकों को सीखने में गहरी रुचि दिखाई और उम्मीद जताई कि यह प्रशिक्षण उनके समुदाय में प्राकृतिक खेती के प्रसार में उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम में सहभागिता कर रही कृषि सखियों ने भी अपनी प्रतिक्रियाएं साझा की तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक प्रतिभाग कर रही सभी 29 कृषि सखियों को प्रणाम पत्र वितरित किए गए।

पति ने तीन तलाक देकर पत्नी को घर से भगाया

● पत्नी ने पति सहित आठ के विरुद्ध लिखाई दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात

शाहाबाद हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गिलजई निवासी विवाहिता ने पति द्वारा परिजनों के कहने पर उसे तीन तलाक देकर घर से भगा देने पर कोतवाली में पति सहित आठ लोगों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़िता समीना पत्नी इरफान के अनुसार उसका विवाह 14 मार्च 2020 को कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गिलजई निवासी अफसर के पुत्र इरफान के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार हुआ था।उसके मां बाप ने हैसियत के मुताबिक दहेज भी दिया था।लेकिन अतिरिक्त दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग को लेकर उसका पति,जेठ रिजवान उर्फ बब्बू,जेठानी निगहत,देवर इमरान, फुरकान,सलमान,ननद रूबी पत्नी वसीम और सास अकीला उसे आए दिन प्रताड़ित करने लगे।वह सब सहन करती रही।उसने एक पुत्री को जन्म दिया।उसके बाद विपक्षियों ने और ज्यादा परेशान करना शुरू कर दिया।दो वर्ष बाद उसके घर दूसरी पुत्री का जन्म हुआ।दूसरी पुत्री के जन्म के बाद पुत्र न पैदा होने पर आरोपियों ने ताने और मारपीट करते हुए चार पहिया गाड़ी और पांच लाख रुपए की मांग करते हुए एक वर्ष पूर्व उसे पुत्रियों सहित घर से निकाल दिया।वह अपने मायके से दो लाख रुपए लेकर वापस ससुराल आई।लेकिन अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट बंद नहीं हुई।2 फरवरी को विपक्षियों ने उसे मारपीट कर पुत्रियों सहित फिर घर से निकाल दिया।3 फरवरी को उसने कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया।4 फरवरी को मध्यस्थता केंद्र हरदोई में उसके प्रार्थना पत्र पर दोनो पक्षों का सुलह समझौता करवाया गया।वह 25 अप्रैल को बच्चों सहित मायके से ससुराल आई तो विपक्षी पति ने अपने घरवालों के कहने पर उसकी दोनों पुत्रियों को उससे छीन कर उसे तीन तलाक देकर घर से भगा दिया।विवाहिता की लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सखी चयन के लिए 17 मई तक करे आवेदनः-उपायुक्त

हरदोई उपायुक्त स्वतः रोजगार रवी प्रकाश सिंह ने बताया है कि बताया है कि उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं मे से गैर कृषि उद्यम की स्थापना एवं विकसित करने के लिए सूक्ष्म उद्यम सखी के चयन एवं नियुक्ति के लिये आवेदन 17 मई 2025 तक कर सकते है। आवेदन सम्बन्धित विकास खण्ड के बी0एम0एम0यू0 कार्यालय को उपलब्ध कराया जायेगा। आवेदक को पंच सूत्र पालन करने वाले समूह सदस्य हो, समुदाय से संवाद करने में सक्षम हो, आवेदक की उम्र 18 से 45 के बीच हो, आवेदक कम से कम 12 उत्तीर्ण हो, सामान्य अंकगणित का ज्ञान हो, आवेदक के पास एंड्राइड फोन हो एवं उसके संचालन का ज्ञान हो, जनपद एवं जनपद के बाहर कार्य करने एवं प्रशिक्षण में जाने का इच्छुक हो तथा जाति, लिंग, क्षेत्र, धर्म पर आधारित भेद-भाव से अनिवार्यतः दूर होना चाहिए। चयनोपरान्त इनको 4 वर्ष तक निर्धारित मानदेय दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये संबन्धित ब्लाक के बी0एम0एम0यू0 संकुल स्तरीय संघ एवं ग्राम संगठन से सम्पर्क किया जा सकता है।

गर्भवती की इलाज के दौरान हुई मौत, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

स्वतंत्र प्रभात

कोथावां - बेनीगंज कोतवाली अंतर्गत कोथावां कस्बा निवासी शिवांगी पत्नी विकाश उम्र करीब 26 वर्ष गर्भवती महिला की आज रविवार को लखनऊ के ट्रामा सेन्टर में इलाज के दौरान मौत हो गई। बेनीगंज निवासी शिवांगी देवी पुत्री नन्हक्के उम्र 24 वर्ष की सादी विकास पुत्र स्व0 यदुनाथ निवासी कोथावां में हुई थी शिवांगी 7 माह से प्रेगनेंट थी। महिला का पति घर पर रहकर मजदूरी करता था बीते एक मई को विवाहिता की तबियत खराब हुई जिस पर मृतिका शिवांगी की मां फूलमती दामाद विकास को जानकारी देकर कोथावां के सीएचसी अस्पताल ले गए हालत नाजुक देख सीएचसी चिकित्सक ने हरदोई मेडिकल कॉलेज से लखनऊ ट्रामा सेन्टर के लिए रेफर कर दिया। जहां आज रविवार को सुबह 10 बजे लखनऊ के ट्रामा सेंटर में ईलाज के दौरान गर्भवती महिला की मौत हो गई। इसकी सूचना मृतका के पिता नन्हक्के ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला के पति ने बताया कि वह इस समय अपनी पत्नी के साथ था। जिसकी मृत्यु की सूचना मैंने अपने ससुरालीजनों को समय रहते दी है। इस मामले में बेनीगंज कोतवाल कृष्ण बली सिंह ने बताया कि विवाहिता के मायके के लोगों ने कोई तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई जांचकर की जायेगी।

शराब के ठेके बच्चों सहित आम जनमानस के लिए बने मुसीबत

● शिकायत के बावजूद विभागीय अधिकारी कार्रवाई करने से झाड़ रहे अपना पल्ला।

स्वतंत्र प्रभात

बेनीगंज/हरदोई- बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत जमुनिहा सड़क मार्ग पर बरगदिया गांव में आबादी व उच्च प्राथमिक विद्यालय के नजदीक देशी शराब का ठेका संचालित होने से यहां के अध्यापकों व स्थानीय ग्रामीणों में रोष है। यहां के स्थानीय निवासी सतीश चंद्र पुत्र नेक राम ने देसी शराब के ठेके को हटाए जाने के बाबत आईजीआरएस के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने कहा देसी शराब का ठेका हमारे घर के ठीक पास में है, जहां रोजाना होती शाम शराबियों का जमावड़ा लग जाता है, वह शराब पीकर खाली रैपर मेरे घर के सामने डालते हैं और आपस में वाद विवाद करते हुए गाली गलौज करते हैं। जिससे मेरे बच्चों की पढ़ाई लिखाई बाधित होती है। वहीं पास में उच्च प्राथमिक विद्यालय होने से नन्हे मुन्ने बच्चों का आवागमन रहता है जिन पर गलत असर पढ़ रहा है, उक्त शराब के ठेके को कहीं और संचालित कराया जाए। उन्होंने कहा कई बार उच्च अधिकारियों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई तो विभागीय अधिकारी मौके पर आकर मुझे समझाते बुझाते हैं और झूंठ बोलकर शिकायत को बंद कर देते हैं। मामले पर अब तक किसी ने कोई सुनवाई नहीं की है और ना ही शराब के ठेके को हटवाया गया है। स्थानीय लोगों के बताएं अनुसार उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार ने भी शराब के ठेके को हटवाने के भरसक प्रयास किए पर मामला आज भी जस का तस बना हुआ है। भारतीय किसान यूनियन सावित्री गुड के जिला प्रभारी सत्येंद्र सिंह ने कुछ दिन पूर्व भी लिखित ज्ञापन दिया था जिसमें बताया था कि बरगदिया गांव सहित प्रताप नगर चौराहा संडीला रोड मार्ग के किनारे विद्यालय मंदिर के बीच शराब के ठेका संचालित हैं जिसका असर बच्चों सहित आम जनमानस पर बड़ा पड़ता है प्रभारी ने भी ठेका हटाई जाने की मांग की थी। यहां पर यह भी बताना जरूरी है की आबकारी विभाग के अधिकारी शिकायतों को पूरी तरीके से नजर अंदाज मनमानी करते आ रहे हैं। जिससे प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का भविष्य भी अंधेरे में गुजरा नजर रहा है। वहीं इस संबंध में आबकारी विभाग के सप्लाई इंस्पेक्टर ग्रीश ने बताया की मामले की सूचना सेल्समैन को दें दीं गई है उनको बताया गया हैद्य अब कोई भी व्यक्ति आवादी व विद्यालय के पास दारू पीकर खाली रैपर कूड़ा नहीं फेंकेगा।

भारत में निर्मित वस्तुओं से ही देश आत्मनिर्भर बनेगा- किशोरी लाल

हरदोई स्वदेशी जागरण मंच की ओर से स्वावलंबी भारत अभियान को लेकर संवाद का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली से आए स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल ने संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित वस्तुओं से ही देश आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। भारत के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र के 15 संगठन मिलकर रोजगार, स्वरोजगार और आर्थिक स्वालंबन की दिशा में काम कर रहे हैं। हरदोई जनपद के आवास विकास कालोनी स्थित जे के पब्लिक स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल ने कहा कि सिर्फ फैक्ट्री या दुकान शुरू करना निर्माण कार्य नहीं है।

अपने हुनर का इस्तेमाल करके भी स्वरोजगार किया जा सकता है। स्वदेशी जागरण मंच के अवध प्रांत के प्रांत समन्वयक हर्षवर्धन ने लोगों को स्वदेशी का महत्व बताते हुए निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अवनीश द्विवेदी, आभार प्रदर्शन स्वदेशी जागरण मंच के हर्षवर्धन ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उधोग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष विमलेश दीक्षित, पवन जैन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह संजीव खरे ,पूर्व विधायक गंगा सिंह चौहान, अमित, अनिल लाहौरी, प्रेम शंकर गुप्ता, सोनपाल वर्मा , भरत पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

दहेज हत्या में आरोपित महिला मायके से गिरफ्तार

मथुरा। दो अप्रैल को गांव गिडोह में दहेज के लिए महिला की हत्या की घटना की रिपोर्ट थाना कोसीकला पर दर्ज कराई गई थी। घटना के बाद से ही आरोपी फरार थे। कोसीकला पुलिस ने एक आरोपित महिला को उसके मायके गांव बठैन कला कोसीकला से गिरफ्तार कर लिया। घटना में मृतका के पिता द्वारा उसकी बेटी को सुसरालीजनों द्वारा दहेज के लालच में आकर फाँसी लगाकर हत्या कर देने के आरोप में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गयी थी। घटना के बाद आरोपित महिला अपने मायके चली गई थी। मुखबिर की सूचना पर रविवार को आरोपित महिला को मायका (घर से) ग्राम बठैन कलां थाना कोसीकलां मथुरा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्ता के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

मथुरा। थाना कोसीकलां पुलिस ने युवक को मोटरसाइकिल चोरी और नशीला पदार्थ रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने एक मोटर साइकिल व195 ग्राम नशीला पाउडर बरामद किया है। अभियुक्त के खिलाफ थाना कोसीकला पर एक साल से भी कम समय में आधा दर्जन चोरी के मुकदमे दर्ज हुए हैं। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार निर्वाल थाना कोसीकलां, एसआई अमरपाल तोमर चौकी प्रभारी शाहपुर थाना कोसीकलां, एसआई उत्तम चौहान चौकी प्रभारी जिंदल चौराहा थाना कोसीकलां, एसआई अंकित मलिक चौकी प्रभारी बठैन गेट थाना कोसीकलां आदि थे। चौकिंग के दौरान अभियुक्त तालिम पुत्र हाकिम निवासी गांव खेडला थाना बिछोर जिला नूंह मेवात हरियाणा उम्र करीब 20 वर्ष को नई कोसी कामर सडक पर मसान घाट से करीब 80 कदम कोसीकला की तरफ सर्विस रोड पर से 195 ग्राम नशीला पाउडर डायजापाम व चोरी की एक मोटरसाइकिल बिना नम्बर प्लेट के साथ गिरफ्तार किया गया।

पहलगाम में मारे गये लोगों की आत्मशांति के लिए किया हवन

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये लोगों की आत्मशांति कि लिए हवन करते लोग।

मथुरा। चौमुहां में रविवार सुबह छटीकरा के श्री ख्याली धाम गेस्ट हाउस पर कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों की आतंकियों द्वारा हत्या कर दी गयी थी, मृतकों की आत्मशांति हेतु हवन किया जिसमें पंडित सत्यदेव शर्मा द्वारा मंत्र उच्चारण कर हवन को सम्पन्न कराया गया। इसके बाद दिल्ली से आये हुये अखिल भारतीय क्षत्रिय मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री रमेश राघव जी का जोरदार स्वागत किया। राघव जी ने आतंकियों की निंदा करते हुये समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने पर बल दिया तथा लोगों से अपने-अपने बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा दिलवाने और नशा से बचने को कहा। मथुरा में जल्दी ही एक बड़ा प्रोग्राम करने की बात कही जिसका सभी लोगों ने समर्थन किया। क्षत्रिय मंच के जिला अध्यक्ष अशोक प्रताप सिंह ने संगठन की मजबूती पर बल दिया और गांव गांव जाकर लोगों को संगठन से जोड़ने की बात कही। इस मौके पर मुख्य रूप से रमेश राघव, अशोक प्रताप सिंह, अवनीश सिंह, बिहारी लाल, भगवान सिंह दरोगा, रामकिशोर राजावत,अमित कुमार राजावत, ठा. बलवीर सिंह , सत्यदेव शर्मा , कृष्णा सिंह, रूपेश, कान्हा, ऋषभ चौहान, मुकेश सिसोदिया आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रेन के चपेट में आने से युवक का दोनों हाथ कटा हालत गंभीर

दुर्घटना/हादसा

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना क्षेत्र के नगर पंचायत उसका बाजार के अशोक नगर वार्ड नंबर 06 महुआ ढाला पर रविवार को एक करीब 24 वर्षीय युवक ट्रेन के चपेट में आ गया जिससे दोनों हाथ कट गया। बढ़नी से गोरखपुर जा रही डेमो ट्रेन से युवक के दोनों हाथ कट गए । घायल युवक मंजीत कुमार पुत्र ओम प्रकाश निवासी ग्राम मऊ थाना गोल्हौरा का बताया जाता है। लोगों ने युवक को देखा तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी , सूचना पर पुलिस पहुंची तत्काल युवक को एंबुलेंस के माध्यम से उसका बाजार सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टर ने युवक की हालत गंभीर होने से उसे मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर के लिए रेफर कर दिया,जहां युवक का इलाज जारी है। थाना प्रभारी हरिकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि युवक में जान है तत्काल एंबुलेंस को सूचना देकर युवक को अस्पताल भेजवाया गया।

खेलों प्रतियोगिताओं में यूआईडी अनिवार्य, नहीं ले सकेंगे भाग

● राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ अंडर 20 खिलाडियों का चयनित

18 से 19 मई तक आयोजित होगी प्रतियोगिता प्रयागराज में

बिना यूआईडी नंबर के नहीं ले सकेंगे खिलाडी भाग, शीघ्र बनवा लें नम्बर

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। गणेषरा स्पोर्ट्स स्टेडियम मथुरा पर अंडर 20 आयु वर्ग के खिलाड़ियों का ट्रायल हुआ। जिसमें 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अब चयनित हुए खिलाड़ी प्रयागराज में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव जय सिंह ने बताया कि इस ट्रायल के दौरान बालकों की 10 किलोमीटर दौड़ में आकाश, विष्णु, ,कुलदीप, 5 किलोमीटर दौड़ में आकाश,कुलदीप , कृष्णा, 3 किलोमीटर स्टीपल चेज दौड़ में विष्णु, कृष्णा, गर्ल्स की 5 किलोमीटर दौड़ में सोनिया उपाध्याय, ज्योति, पायल, बालक वर्ग की 800 मीटर दौड़ में भिक्को, गौरव, अमित बालिका वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में सोनिया उपाध्याय, बालक वर्ग की 1500 मीटर दौड़ में श्याम सुंदर, पंकज सिंह, गौरव, बालिका वर्ग की 1500 मीटर दौड़ में शिवानी बालक वर्ग की 400 मीटर दौड़ में हिमांशु चौधरी, आशीष, विनीत, बालिका वर्ग की 400 मीटर दौड़ में पूनम, विशाखा, इंदु, बालक वर्ग की 400 मीटर बाधा दौड़ में अमित,सचिन,लोकेश, बालक वर्ग की 200 मीटर दौड़ में सोनू सैनी,आशीष, दिलीप, बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में यश चौधरी,संदीप ,यश राज,बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में पूनम, पायल, तुषारिका, बालक वर्ग की जैवलिन थ्रो में नरेंद्र, अंकुल, सौरभ, बालक वर्ग की डिस्कस थ्रो में सौरभ ,प्रदीप, बालक वर्ग की शॉट पुट में अंकुल चाहर, प्रदीप चौधरी ,लव जीत नौहवार,

गणेशरा के स्व. मोहन पहलवान राजकीय स्पोर्ट स्टेडियम में अंडर 20 के खिलाडी ट्राइल के दौरान दौड़ लगाते हुए।

बालक वर्ग की लांग जंप में कृष्णकांत, कृष्णा प्रताप, बालक वर्ग की ट्रिपल जंप में कृष्णकांत शर्मा का चयन किया गया। चयनित सभी खिलाड़ी 18 से 19मई तक प्रयागराज में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि सभी जिन खिलाड़ियों के पास आक यूआईडी नंबर नहीं है वह दो दिन के अंदर अपना यूआईडी नंबर के लिए रजिस्ट्रेशन करा लें बिना यूआईडी नंबर के आप राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पा पाएंगे। टाइल के दौरान निर्णायक की भूमिका में के आर डिग्री कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉक्टर दलवीर सिंह कौन्तेय, हरदेव सिंह, नितिन शर्मा, देवेश यादव, राहुल कुंतल, लोकेश गौतम आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

मैक्स पिकअप में 158 किलो गांजे को छोड कर भागे तस्करों तक पहुंची पुलिस

● यमुना एक्सप्रेस वे पर इसी साल सात मार्च को एएनटीएफ मेरठ यूनिट ने की थी कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। सात मार्च को यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन 97 पर एक मैक्स पिकअप से 158 किलो गांजा बरामद किया गया था। तस्कर गाडी को छोड कर भाग निकले थे। एएनटीएफ मेरठ यूनिट को तभी से फरार हुए मदक पदार्थ तस्करों की तलाश थी। थाना मांट पुलिस व एएनटीएफ मेरठ यूनिट ने एनडीपीएस एक्ट के अभियोग में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। चौकिंग के दौरान सालासर वाटिका 4 निवारु रोड़ विष्णु विजय पुत्र स्व. सीताराम के मकान की दूसरी मंजिल थाना करधनी जनपद जयपुर राजस्थान से मुखबिर की सूचना के आधार पर एनडीपीएस एक्ट में थाना मांट मथुरा में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि सात मार्च को एएनटीएफ मेरठ टीम द्वारा यमुनाएक्सप्रेस वे माईल स्टोन

गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार अभियुक्त

97 पर आगरा की तरफ से एक वाहन महिन्द्रा पिकअप डीएल 31 सीएस 4625 से 158 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ था। जिसमें तीन तीन अभियुक्त गाडी छोडकर भागने में सफल हो गये थे। जिसके सम्बन्ध में एएनटीएफ मेरठ टीम द्वारा थाना मांट पर एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कराया गया था। अभियुक्त के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी है। इसके पास से पुलिस ने दो मोबाइल, एक कार बलैनो बरामद हुई है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह थाना मांट, एसआई लोकेन्द्र सिंह एएनटीएफ मेरठ यूनिट आदि पुलिसकर्मी थे।

मथुरा में निकाली भगवान परशुराम की शोभायात्रा

● दो दर्जन झांकियां व बैंड बाजे रहे आकर्षण का केन्द्र

मथुरा। श्री परशुराम शोभा यात्रा समिति के तत्वावधान में आज भगवान परशुराम की शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गो से होकर बैंडबाजों के साथ धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा में दो दर्जन झांकियां, डीजे, ताशा और कई बैंड शामिल रहे। शोभायात्रा का नगर में जगह जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सबसे आगे परशुराम शोभायात्रा समिति का बैनर, ऊँट, घोड़ा, ढोल ताशा, झाँकी गणेश जी, हनुमान जी, अखाड़ा वृन्दावन, झाँकी विष्णु लक्ष्मी जी, झाँकी नगरकोट वाली मईया, झाँकी नरसिंह भगवान, ताशा पार्टी, झाँकी यमुना जी, श्रीनाथ जी, अखाड़ा, झाँकी भैरों बाबा, झांकी जीवंत परशुराम, रोड शो शिव बरात, झाँकी राम जी अयोध्या वाले, अखाड़ा, जन्मस्थान बैंड, झाँकी जन्मभूमि, शहनाई पार्टी फरसा दल, विंटेज, कार, प्रकाश बैण्ड, अंत में भगवान परशुराम का सुंदर सजा डोला चल रहा था। विप्र समाज के युवक बैंड बाजों की धुनों पर झूमते और परशुरामजी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। वहीं अखाड़ों में शामिल युवक अपनी कलाबाजी व पटेबाजी का प्रदर्शन करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा प्रारंभ होने से पहले परशुराम शोभा यात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राम गोपाल शरर्म राष्ट्रीय महामंत्री बंसीलाल शर्मा, आचार्य रमाकांत गोस्वामी, मनोज बॉबी भैया, गजेंद्र शर्मा, ओ पी उपाध्याय, के के शर्मा राधापुरम, चंद्रप्रकाश कवि, गौरी शंकर, अखिलेश गौड़, आशुतोष भारद्वाज, कृष्ण जन्म संस्थान से अनुराग पाठक, सचिव गौरव कांत शर्मा, राकेश गौड़ संजय पिपरोनिया, केके शर्मा, मोनू पंडित, सुनील शर्मा, राजकुमार शर्मा, प्रेमबिहारी शास्त्री, पूजा आचार्य ललित स्वामी एवं लब्बू पंडित जी, सुखदेव गोसाई ,मुकेश शास्त्री, चंदप्रकाश टावर वाले, परशुराम महिला समिति की अध्यक्ष भावना शर्मा ने वैदिक मंत्रों के साथ भगवान परशुराम के विग्रह का अभिषेक किया।

कलरवः जोधपुर झाल पर इंजीनियर पक्षियों ने डाला डेरा'

● अनोखे घोंसले बनाने के कारण बया पक्षी को जाना जाता है इंजीनियर के नाम से भी

भारत में मिलने वाली चार में से तीन प्रजातियां जोधपुर झाल पर करती हैं प्रजनन,जून से शुरू होगा प्रजनन काल

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। आगरा मथुरा और भरतपुर के मध्य स्थित जोधपुर झाल पर इस समय इंजीनियर पक्षियों का कलरव गूंज रहा है। यहां प्रजनन से पहले विभिन्न प्रजातियाँ इन दिनों अपना घोंसला बना रही हैं, इनकी घोंसला बनाने की अद्भुत कला के कारण ही इन्हे इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता है। जोधपुर झाल मथुरा जनपद में फरह के निकट स्थित है। इसे उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा वन विभाग के सहयोग से वेटलैंडस के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ बेहतर वातावरण के चलते बड़ी संख्या में पक्षियों की विभिन्न प्रजातियाँ यहाँ प्रवास करती हैं। बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी (बीआरडीएस) के पक्षी विशेषज्ञ डॉ केपी सिंह ने बताया कि जोधपुर झाल पर वीवर की तीन प्रजातियां बया बीवर, ब्लैक-ब्रस्टेड बीवर और स्ट्रीक्ड बीवर प्रजनक निवासी हैं।

पशु पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां अपनी वंशवृद्धि की प्रक्रिया को अपने अपने तरीकों से पूर्ण करती हैं। पक्षियों की बात करें तो जितनी प्रजातियां हैं उनके घोंसले बनाने से लेकर प्रजनन के लिए साथी का चुनाव और चूजों के पालन पोषण के अलग अलग तौर तरीके हैं। जहां एक ओर पक्षियों को प्रजनन संबधी अनुकूल परिस्थितियों के लिए संघर्ष करना पड रहा हैं तो दूसरी तरफ आगरा-मथुरा की सीमा पर स्थित जोधपुर झाल के संरक्षण और उचित रख रखाव के फलस्वरूप भारत में पाई जाने वाली वीवर की चार में से तीन प्रजातियां जोधपुर झाल पर प्रजनन करती हैं। जोधपुर झाल पर वीवर की प्रजातियों की ब्रीडिंग का अध्ययन कर रहे अब्दुल कलाम के अनुसार वीवर प्रजाति का प्रजनन काल जून से सितंबर तक चलता है। वीवर अपने घोंसले जिस तरह बनाते हैं इस कारण उन्हें बुनकर पक्षी भी कहा जाता है। वेटलैंड्स, नहरें और तालाब के पास के स्थलीय वृक्ष घोंसले बनाने के आदर्श स्थल हैं। यह पाम, खजूर , मूंज , कांस , टाइफा घास अथवा धान की लंबी पत्तियों को घागे की तरह पट्टी काटकर आपस में उन्हे बुनते हैं। केवल नर वीवर घोंसले का निर्माण करते हैं। मादाओं द्वारा आंतरिक सज्जा की जाती है। जिसमें मिट्टी का भी प्रयोग किया जाता है। घोंसले निर्माण में मानसून व शत्रु पक्षियों से सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाता है।

जोधपुर झाल पर घोंसला बुनता पक्षी।

वर्जन

जोधपुर झाल पिछले कुछ सालों के दौरान पक्षियों की बेहतर पसंद का स्थल बन गया है। यहां बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी प्रवास करते हैं। बरसात में यहाँ पौधा रोपण किया जाएगा। यहाँ वह सभी सुविधाएं पक्षियों के लिए देने की कोशिश हो रही है, जो उनकी जरूरत है। निर्माण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। -श्याम बहादुर सिंह, सीईओ

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट वेलफेयर एसोशिएशन का वार्षिक अधिवेशन एवं शैक्षणिक कार्यक्रम सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा एक दिवसीय वार्षिक अधिवेशन एवं शैक्षणिक कार्यक्रम शहर के भीमापार में स्थित एक होटल में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल विशिष्ट अतिथि सुरेश गुप्ता तथा संगठन के संरक्षक कौशलेन्द्र त्रिपाठी एवं चेयर मैन परिपूर्णानन्द बख्शी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित एवं माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि सुरेश गुप्ता ने दवा व्यवसाय कोनियमानुसार ठीक से संचालित करने के लिए महत्व पूर्ण सुझाव दिये। मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधी पूर्व चेयरमैन एस पी अग्रवाल ने दवा व्यवसाईयों को नियमानुसर व्यवसाय करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन संगठन के जिला अध्यक्ष रामचन्द्र गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुश्ताक अहमद, शैलेष कुमार पाण्डेय , लाल चन्द गुप्ता, संजय कुमार यादव, तेज प्रताप गिरि, अजहरुद्दीन, अवधेश कुमार मिश्रा, अनिरूद्ध राय, रिषभ जैन, मोहम्मद ओमैरखान, शैलेन्द्र मोदनवाल, संजय कुमार पाण्डेय, गयादीन गुप्ता, अजय कुमार श्रीवास्तव, सुबास चौधरी, राजेश अग्रवाल, शैलेन्द्र पाण्डेय, अब्दुल क्यूम, कृष्ण मुरारी

अग्रवाल, राज किशोकर, इरशाद अहमद, हाजी मोहम्मद तबस्सुम, हाजी इम्तियाज, सुभाष कसौंधन, अवधेश मिश्रा, नीरज वर्मा, दिनेश जायसवाल, बृजेश साहनी, विजय कुमार सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय के लिए जातिगणना जरूरी, राहुल गांधी की मांग माननी पडी

● हटी सरकार को लेना पडा जातिगत जनगणना कराने का फैसला

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस मुकेश धनगर के नेतृत्व में राहुल गांधी द्वारा जातिगत जनगणना कराई जाने हेतु केंद्र सरकार को बाध्य कराए जाने के लिए जिला कांग्रेस कार्यालय से लेकर विकास बाजार स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तक धन्यवाद यात्रा निकाली गई। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि पार्टी के द्वारा नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी विगत कई वर्षों से देश में जातिगत जनगणना कराए जाने हेतु केंद्र सरकार से अनवरत मांग करते आ रहे है। उनके लंबे प्रयासों का ही प्रतिफल है कि केंद्र की भाजपा सरकार को जातिगत जनगणना कराई जाने के लिए बाध्य होना पड़ा। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई में जातिगत जनगणना एक बेहद जरूरी कदम है। महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा जाति जनगणना अब जन आंदोलन बन चुका है राहुल गांधी जी की आवाज ने भाजपा सरकार को मजबूर किया जनगणना के बिना हिस्सेदारी नहीं और यह धन्यवाद मार्च न केवल राहुल गांधी जी के नेतृत्व को सम्मानित करने का एक प्रयास था बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पदयात्रा में पार्षद पुनीत बघेल, धनंजय चौधरी, अबरार कुरैशी, प्रवीण गौड़, सतीश शर्मा, राजकुमार तिवारी, ज्ञान सिंह चौधरी, शैलेंद्र चौधरी, अप्रतिम सक्सेना, विपुल पाठक, मनोज गौड़, जिलानी कादरी, मानवेंद्र पांडव, आदित्य तिवारी, विवेक अग्रवाल, प्रदीप सागर, राजा गौतम, बनवारी चौधरी, हरिओम उपाध्याय, उमाशंकर शर्मा, कासन रिजवी, विनोद आर्य, मुस्लिम कुरैशी, आशीष चतुर्वेदी, महेश चौबे, सैयद साबिर, तपेश गौतम , विशाल वाल्मीकि, साहब सिंह प्रधान, अनवर फारुकी, लोकेंद्र यादव, शैलेंद्र कुमार, राजकुमार शर्मा आदि सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस जन धन्यवाद यात्रा में उपस्थित थे।

जिला कांग्रेस कार्यालय से जाति गणना के लिए निकाली धन्यवाद मार्च में शामिल कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के फरदहनी गांव निवासी मिथलाही (47) पत्नी फूलचंद आकाशीय बिजली गिरने से झुलसकर घायल हो गई।परिवरीजन अनन - फानन उसे सीएचसी में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम फरदहनी निवासी फूलचंद्र की पत्नी मिथलाही देवी (47) रविवार की शाम करीब 4 बजे मिथिलाही अपने घर से भैंस चराने के लिए गांव के उत्तर की तरफ गई थी। रविवार शाम को अचानक आधी पानी आने के कारण उसने जैसे ही पेड़ के पास पहुंची की अचानक तेज गरज के साथ आकाशीय बिजली पेड़ पर गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बेहोश हो कर गिर गई। आकाशीय बिजली से घायल मिथलाही देवी के परिजन सीएचसी बर्डपुर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सीएचसी डॉक्टर महेश कुमार ने कहा कि आकाशीय बिजली से महिला की मौत हुई है। सदर विधायक श्याम धनी राही ने सीएचसी बर्डपुर पर पहुंच कर शोकाकुल परिवार के लोगों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और कहा कि शासन द्धारा जो भी सहायता देने का प्रवधान है उसे आवश्य दिलाऊगा।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बटोरी वाहवाही

सिद्धार्थनगर। चिल्हिया बाजार के ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल के परिसर में शनिवार की रात वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रधान संगठन जिला अध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय के बच्चों ने अनेकों मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की वाहवाही बटोरी। इस दौरान डॉ पवन मिश्रा ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्हें अच्छे शिक्षण संस्थानों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने की, समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। इस दौरान प्रधानाचार्य निज़ाम अहमद, कमलेश मिश्रा, सिराज अहमद, इसरार अहमद,मुस्तन शेरुल्लाह आदि मौजूद रहे।

एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को स्थायित्व देने वाला कदम- अरुण सिंह

● हरिशंकर राजू यादव बोले देश को चाहिए एकजुट लोकतांत्रिक सोच

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। देश में चुनाव सुधार की दिशा में केंद्र सरकार की श्एक राष्ट्र, एक चुनाव नीति को लेकर शनिवार को गोवर्धन के गुरु कृपा गार्डन, पुराना सौंख बाईपास रोड पर एक प्रबुद्धजन समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, विधायक मेघ श्याम सिंह ठाकुर और महापौर विनोद अग्रवाल एमएलसी ठाकुर ओम प्रकाश सिंह ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अरुण सिंह ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' कोई राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में लिया गया दूरदर्शी निर्णय है। उन्होंने कहा कि बार बार होने वाले चुनावों से न केवल शासन प्रक्रिया बाधित होती है, बल्कि समय और संसाधनों की भी भारी बर्बादी होती है। इस प्रणाली से देश को स्थिर और विकासोन्मुख प्रशासन मिलेगा। विधायक मेघ श्याम सिंह ठाकुर ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों में सरकारी मशीनरी जैसे शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल बार-बार व्यस्त हो जाते हैं, जिससे विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा से नीति निर्माण और योजनाओं के क्रियान्वयन में निरंतरता बनी रहेगी। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि यह प्रणाली राजनीतिक स्थायित्व की दिशा में एक बड़ा सुधार है।

इससे जनता को बार-बार मतदान की प्रक्रिया में शामिल होने की असुविधा नहीं होगी और सरकारें पूरे कार्यकाल तक विकास लक्ष्यों पर केंद्रित रह सकेंगी। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेंद्र राणा ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक कारिंदा सिंह हीरा सिंह कुंतल पूर्व महापौर डॉ मुकेश आर्य बंधु पूर्व जिला अध्यक्ष डीपी गोयल पूर्व ब्लाक प्रमुख पन्नालाल गौतम संजय शर्मा कुंज बिहारी चतुर्वेदी रामकिशन पाठक हरिओम शर्मा अंकुर अग्रवाल मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा विजय शर्मा यज्ञ दत्त कौशिक दीपक गोला नितिन चतुर्वेदी कपिल पटेल विनीत शर्मा अंकुर गुर्जर बृजेश अहेरिया हनुमान गुर्जर मंडल अध्यक्ष कान्हा शर्मा प्रकाश गौड़ करतार सिंह हाकिम सिंह टीटू जितेन्द्र वार्ष्णेय नितिन कौशिक लोकेश निषाद सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, विधायक मेघ श्याम सिंह ठाकुर और महापौर विनोद अग्रवाल एमएलसी ठाकुर ओम प्रकाश सिंह एवं अन्य।

एक्सप्रेस वे पर हादसे में सफारी कार सवार दो की मौत तीन की हालत गंभीर

● मांट क्षेत्र में गांव जावरा के पास रात के समय हुआ हादसा

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर मांट क्षेत्र में नोएडा से आगरा की तफर माइल स्टोन 98 पर रात के समय हुए भीषण सडक हादसे में दो कार सवार दो की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद रात में यमुना एक्सप्रेस वे पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। मौके पर पहुंचे पुलिस बल और जेपी की क्रेन की मदद से दुर्घटना ग्रस्त वाहन को हटाया गया और घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने एक महिला और एक पुरूष को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन अन्य को उपचार के लिए भर्ती कर लिया। मृतक और घायल सभी सफारी कार में सवार थे। सडक हादसा रात को करीब पौने दो बजे गांव जाबरा के समीप हुआ। माना जा रहा है कि रात मे चालक को नींद की झपकी आने से कार किसी वाहन से टकरा गई। हालांकि घटना कैसे हुई इस बात की ठीक जानकारी नहीं हो सकी है। पुलिस ने मृतक और घायलों की पहचान सुनिश्चित कर ली है। कार में सवार प्रेम सिंह पुत्र रामवृक्ष निवासी गौर सिटी सी 1505 नोएडा, सूर्य सिंह पुत्र प्रेम सिंह निवासी उपरोक्त को अनन्तकीर्ति हॉस्पिटल लक्ष्मी नगर मथुरा तथा पूजा पत्नी प्रेम सिंह, सुमित पुत्र सिकन्दर निवासी दरभंगा बिहार, रोशन पुत्र राजाराम निवासी रविदास गली विश्वास नगर नई दिल्ली पूर्वी हैं। सभी गंभीररूप से घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय मथुरा लाया गया जिसमें पूजा व सुमित को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सीओ मांट गुंजन सिंह ने बताया कि हादसे में दो की मौत हो गई और बाकी घायलों का इलाज चल रहा है। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से सड़क किनारे किया गया है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हुए हादसे में क्षतिग्रस्त हुई कार।

एक ही नम्बर की, दो-दो गाड़िया सड़कों पर चलाकर परिवहन विभाग की आंखों में धूल झोंक रहे वाहन मालिक

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है बता दें कि एक ही रजिस्ट्रेशन नम्बर पर दौड़ रही हैं दो-दो गाड़ियां यह लापरवाही नहीं, बल्कि कानून को खुली चुनौती है। परिवहन विभाग की आंखों के सामने इस तरह का फर्जीवाड़ा अब सुरक्षा के लिए गम्भीर खतरा बनता जा रहा है। ऐसी फर्जी नम्बर प्लेट वाली गाड़ियों का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में आसानी से किया जा सकता है, और अपराध के बाद पकड़ पाना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिले की सड़कों पर कितनी ऐसी गाड़ियां धड़ल्ले से दौड़ रही हैं जिनका कोई ठिकाना नहीं और जिनका रिकॉर्ड सिर्फ कागज़ों तक सीमित है। अब जब मामला ज़िला अधिकारी तक पहुंचा, तो डीएम ने लिया गम्भीरता से संज्ञान में लेते हुए चांज करवाया जायेगा। संभावना है कि जल्द ही जिले भर में शुरू हो सकती है बड़ी जांच और जबरदस्त कार्रवाई।परिवहन विभाग के ढीले सिस्टम पर सवाल खड़े हो रहे हैं।